साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 166 | जौनपुर, सोमवार, 03 फरवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

हादसे के जिम्मेदारों पर गिरेगी गाज, पुलिसकर्मियों पर हो सकती है कार्रवाई : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर हादसे के जिम्मेदार और शिथिलता बरतने वाले अफसरों व कर्मचारियों पर गाज गिरनी तय है। इसमें ज्यादातर पुलिसकर्मियों के होने की बात कही जा रही है। सीएम योगी ने ऐसे लोगों को चिह्नित कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सीएम ने आईसीसीसी में वसंत पंचमी स्नान पर्व की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने पर्व पर व्यवस्थाओं को जीरो एरर रखने के निर्देश दिए। कहा कि इस अवसर पर अखाड़ों की पारंपरिक शोभायात्रा धूमधाम से निकलेगी। इसकी तैयारियां समय से कर ली जाएं। संतगण, कल्पवासी, श्रद्धालु और पर्यटकों की सुरक्षा व सुविधा सुनिश्चित होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर चूक की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन सेक्टरों से ज्यादा शिकायतें आ रही हैं, वहां वरिष्ठ अधिकारी खुद जाएं। वरिष्ठ अधिकारियों को टीम के साथ ड्यूटी पर लगाएं। उनके लिए वहीं टेंट और खाने–पीने की व्यवस्था करें। कहीं भी भीड़ एक–दूसरे को क्रॉस करती नजर न आए। दो अधिकारी कंट्रोल रूम से निगरानी करें। बाकी सीमा, शहर और मेला क्षेत्र में व्यवस्था दुरुस्त करें। दो और तीन फरवरी हमारे लिए चुनौतीपूर्ण होगी। प्रमुख स्नान पर्वों और उसके पहले व बाद में कोई वीआईपी प्रोटोकॉल नहीं लागू होगा। सीएम ने कहा, वसंत पंचमी पर पूर्वी

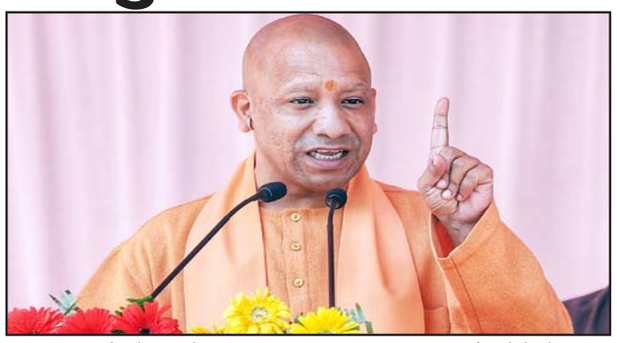

यूपी, बिहार और नेपाल से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। इसे देखते हुए व्यवस्थाएं की जाएं। वहीं, उन्होंने झूंसी क्षेत्र के आसपास रहने वाले संदिग्ध लोगों के पुलिस सत्यापन पर भी जोर दिया। कहा कि अतिक्रमण भी दुर्घटना का कारण बनता है। ऐसे में स्ट्रीट वेंडर्स सड़क पर न दिखाई दें। मौनी अमावस्या हादसे के बाद पहली बार महाकुंभ पहुंचे सीएम योगी ने कहा कि संतों के धैर्य के आगे सनातन विरोधी साजिश में विफल हो गए हैं। उन संतों का अभिनंदन करूंगा, जिन्होंने मौनी अमावस्या पर पूरा ध ैर्य दिखाया। कुछ पुण्यात्मा हादसे का शिकार हुईं, लेकिन उन परिस्थितियों में हमारे संत एक अभिभावक के रूप में नजर आए। शनिवार को सेक्टर 22 में संतोष दास सतुआ बाबा और स्वामी राम कमलाचार्य के पट्टाभिषेक में पहुंचे सीएम योगी ने कहा कि 19 दिनों में 32 करोड़ से अधिक श्रद्धालु डुबकी लगाकर पुण्य के भागीदार बने हैं। कुछ लोग गुमराह करके सनातन ध र्म के हर मुद्दे पर षड्यंत्र करने से बाज नहीं आते हैं। राम जन्मभूमि से लेकर आज तक, उनका व्यवहार और चरित्र जग जाहिर है।

महाकुंभ हादसे को लेकर दाखिल जनहित याचिका का सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ में हुए हादसे को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के मुताबिक इस जनहित याचिका को तीन फरवरी के लिए सूचीबद्ध किया गया है। याचिका में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए दिशा–निर्देश देने और नियमों का पालन कराने की मांग की गई है। महाकुंभ में 29 जनवरी को मची भगदड़ में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई थी और 60 अन्य घायल हो गए थे। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड की गई वाद सूची के मुताबिक याचिकाकर्ता अधि ावक्ता विशाल तिवारी की ओर से महाकुंभ हादसे को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर तीन फरवरी को मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ सुनवाई करेगी। याचिका में भगदड़ की घटनाओं को रोकने और

जीवन के मौलिक अधिकारों की रक्षा की मांग की गई है। अधिवक्ता विशाल तिवारी की ओर से दाखिल जनहित याचिका में केंद्र और सभी राज्यों को पक्षकार बनाते हुए महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाने के लिए सामूहिक रूप से काम करने का निर्देश देने की मांग की गई है। इसमें कहा गया है कि सभी राज्यों को सुरक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने और आपात स्थिति में अपने निवासियों की सहायता के लिए प्रयागराज में सुविधा केंद्र स्थापित करने चाहिए। साथ ही श्रद्धालुओं की मदद के लिए कई भाषाओं में साइनेज लगाने और घोषणाएं करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि सभी राज्यों को महाकुंभ में अपने सुविधा केंद्र स्थापित करने चाहिए। ये केंद्र अपने राज्यों से आने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर काम करें। आपात स्थिति में केंद्र किसी भी सहायता के लिए तैयार रहें। वहीं लोगों को सुरक्षा प्रोटोकॉल के बारे में एसएमएस और व्हाट्सएप के जरिये जानकारी दी जानी चाहिए।

भाजपा ने दिल्ली चुनाव से तीन दिन पहले नया प्रचार गीत जारी किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं सांसद मनोज तिवारी ने दिल्ली विध ाानसभा चुनाव के लिए पार्टी का चौथा

प्रचार गीत रविवार को जारी किया। ''दिल वालों की दिल्ली को अब बीजेपी सरकार चाहिए'' गीत को पूर्व सांसद दिनेश लाल यादव ने गाया है और वरिष्ठ भाजपा नेता नीलकांत बख्शी इसके रचनात्मक निर्देशक हैं। तिवारी ने गाना जारी किए जाने के मौके पर मीडियाकर्मियों से कहा कि जब भाजपा ने अपना घोषणापत्र जारी किया था तब किसी ने उनसे पूछा था कि पार्टी इसमें किए गए सभी वादों को पूरा करने की योजना कैसे बना रही है। तिवारी ने कहा, ''मैंने जवाब दिया कि घोषणापत्र में जो कुछ भी उल्लेख किया गया है, वह हरियाणा और महाराष्ट्र में पहले से ही लागू किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि इस चर्चा के बाद दिल्ली के निवासियों के बीच जागरुकता बढ़ाने के लिए एक और प्रचार गीत जारी करने का विचार आया। उत्तर–पूर्वी दिल्ली से सांसद तिवारी ने कहा, ''हमें लगा कि दिल्ली के लोगों को इन बातों के बारे में सूचित किया जाना चाहिए और तभी इस गीत को तैयार करने का विचार आया।'' तिवारी ने यह भी कहा कि शनिवार को चुनाव प्रचार करते समय वह केंद्रीय बजट से एक महत्वपूर्ण बात बताना भूल गए। उन्होंने कहा, ''भीड़ में से किसी ने मुझे याद दिलाया कि मैं यह बताना भूल गया था कि सालाना 12 लाख रुपये तक कमाने वालों को अब आयकर से पूरी छूट मिलेगी। इससे पता चलता है कि लोग जागरूक हैं और वे भाजपा की सरकार चाहते हैं।'' दिल्ली की 70 सदस्यीय विध ाानसभा के लिए पांच फरवरी को मतदान होगा

वोटिंग से पहले ही झाड़ू के तिनके बिखर रहे : पीएम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आरकेपुरम में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने कहा कि बसंत पंचमी के साथ ही मौसम बदलना शुरू हो जाता है। तीन दिन बाद, 5 फरवरी को दिल्ली में विकास का नया बसंत आने वाला है। इस बार दिल्ली में भाजपा सरकार बनने जा रही है। पीएम मोदी ने आम आदमी पार्टी (आप) पर हमला बोला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ष्आज कल हम देख रहे हैं कि कैसे दिल्ली में वोटिंग से पहले ही झाड़ू के तिनके बिखर रहे हैं, आपदा के नेता पार्टी छोड़ रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि लोग आपदा से नफरत करते हैं। दिल्ली के लोगों के गुस्से से आपदा पार्टी इतनी घबरा गई है कि हर घंटे झूठी घोषणाएं कर रही है। दिल्ली की जनता के सामने आपदा वालों का नकाब उतर चुका है।ष पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, शदिल्ली की ।।च–दा पार्टी ने यहां के 11 साल बर्बाद कर दिए हैं। मेरी दिल्ली के हर परिवार से प्रार्थना है कि राज्य में हमें आप सबकी, दिल्लीवासियों की सेवा का मौका जरूर दें। मैं गारंटी देता हूं कि आपकी हर मुसीबत, हर परेशानी को समाप्त करने के लिए खप जाऊंगा। गरीब हो या मिडिल क्लास, हर परिवार का जीवन खुशहाल हो, ऐसी डबल इंजन सरकार दिल्ली को मिलेगी। हमें ऐसी डबल इंजन सरकार बनानी है जो लड़ाई–झगड़े की बजाय, दिल्ली के लोगों की सेवा करे। जो बहाने बनाने की बजाय, दिल्ली को बनाने–सजाने में ऊर्जा लगाए। पीएम ने कहा, श्आपने आने वाले पांच साल के लिए केंद्र में भाजपा की पक्की सरकार बना ली है, अब गलती से भी यहां ।।च–दा सरकार नहीं आनी चाहिए, जो दिल्ली के पांच और साल बर्बाद कर दे। मैंने विकसित भारत के निर्माण के लिए चार स्तंभों को मजबूत करने की गारंटी देश को दी थी। ये स्तंभ हैं– गरीब, किसान, नौजवान और नारीशक्ति। कल जो बजट आया है, वो मोदी की ऐसी ही गारंटियों को पूरा करने की गारंटी है। पीएम मोदी ने कहा, श्कल बजट आने के बाद से पूरा मिडिल क्लास कह रहा है कि ये बजट, भारत के इतिहास में मिडिल क्लास के

लिए सबसे फ्रेंडली बजट है। हमारी सरकार ने 12 लाख रुपए तक की आमदनी पर इनकम टैक्स पूरी तरह जीरो कर दिया है। इससे मध्यम वर्ग के लोगों के हजारों रुपये बचेंगे। अगर नेहरू जी के जमाने में आप 12 लाख रुपये कमाते तो 12 लाख रुपये की आय पर आपकी एक चौथाई सैलरी सरकार वापस ले लेती। अगर आज इंदिरा जी का जमाना होता तो 12 लाख रुपये तक की आय पर आपके 10 लाख रुपये टैक्स में चले जाते। 10–12 साल पहले तक, कांग्रेस की सरकार में अगर आप 12 लाख रुपये कमाते तो आपको 2 लाख 60 हजार रुपया टैक्स देना होता।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में नदियों, झीलों और जल निकायों का पुनरुद्धार किया जा रहा है : मुख्यमंत्री

मणिपुर, (एजेंसी)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने रविवार को कहा कि राज्य में कई नदियों, झीलों और जल निकायों का कायाकल्प किया जा रहा है ताकि उनके पारिस्थितिकी तंत्र और आसपास के पर्यावरण की रक्षा की जा सके। इंफाल पश्चिम जिले के कांचीपुर के लीशांग हिडेन में विश्व आद्रभूमि दिवस के अवसर पर आयोजित एक समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि सौंदर्यीकरण और इको–टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए जल निकायों का पुनर्विकास भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम आद्रभूमि का संरक्षण और कायाकल्प कर रहे हैं। हम जीवित रहने के लिए प्रकृ ति पर निर्भर हैं। हम इसकी देखभाल कर रहे हैं।

सिद्धरमैया के राजनीतिक सलाहकार बी.आर. पाटिल ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के राजनीतिक सलाहकार बी.आर. पाटिल ने शनिवार को पद से इस्तीफा दे दिया। कलबुर्गी जिले के आलंद निर्वाचन क्षेत्र से विध ाायक पाटिल को 29 दिसंबर, 2023 को मुख्यमंत्री का राजनीतिक सलाहकार नियुक्त किया गया था। उन्होंने बेंगलुरु स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में आज अपना इस्तीफा सौंपा। हाल ही में पाटिल ने किसानों को कानून के जरिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दिलाने के समर्थन में बेंगलुरु स्थित।

हमने मध्यम वर्ग के लोगों की आवाज सुनी : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। व्यक्तिगत आयकरदाताओं को कर में सबसे बड़ी छूट देने के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, हमने मध यम वर्ग के लोगों की आवाज सुनी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को अब्राहम लिंकन को उद्धृत करते हुए आम बजट 2025–26 को श्लोगों द्वारा, लोगों के लिए, लोगों काश बताया। उन्होंने कहा कि प्रध ाानमंत्री नरेन्द्र मोदी करों में कटौती के विचार के पूरी तरह समर्थन में थे, लेकिन नौकरशाहों को समझाने में समय लगा। सीतारमण ने एक साक्षात्कार में कहा, हमने मध्यम वर्ग की आवाज सुनी है, जो ईमानदार करदाता होने के बावजूद अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति न होने की शिकायत कर रहे थे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रुपये की गिरावट को लेकर की जा रही

आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा कि रुपये में अस्थिरता केवल डॉलर के मुकाबले है। अन्य सभी मुद्राओं की तुलना में रुपये ने अधि ाक स्थिर तरीके से व्यवहार किया है। डॉलर मजबूत हो रहा है, इसलिए रुपये में अस्थिरता दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में तीन प्रतिशत की गिरावट चिंता का विषय है क्योंकि इससे आयात महंगा हो गया है, लेकिन यह सही नहीं है कि इसकी विनिमय दर में चौतरफा गिरावट आई है। लेकिन उन्होंने इस आलोचना को खारिज कर दिया कि स्थानीय मुद्रा में व्यापक कमजोरी आई है। मैं रुपये की विनिमय दर में गिरावट से चिंतित हूं लेकिन मैं इस आलोचना को स्वीकार नहीं करूंगी कि अरे रुपया कमजोर हो रहा है! हमारी वृहद आर्थिक बुनियाद मजबूत है। अगर बुनियाद कमजोर होती, तो रुपया सभी मुद्राओं के मुकाबले स्थिर नहीं होता। पिछले कुछ महीनों में भारतीय रुपया दबाव में बना हुआ, लेकिन यह अपने एशियाई और वैश्विक समकक्षों के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के खिलाफ सबसे कम अस्थिर (वोलाटाइल) मुद्रा बनी हुई है। हाल में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आने का कारण व्यापार घाटे में बढ़ोतरी के अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व के 2025 में ब्याज दर में कम कटौती के संकेत के बाद डॉलर सूचकांक में उछाल है। खबरों के मुताबिक, भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपये को हाजिर बाजार (स्पॉट मार्केट) में तेज गिरावट से बचाने के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार से 77 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च किए हैं।

सरस्वती माँ को समर्पित माना जाता है बसंत पंचमी का त्योहार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हिंदू कलैंडर के अनुसार, माघ माह में वसंत पंचमी जैसे कई पवित्र और महत्वपूर्ण पर्व आते हैं। वसंत पंचमी का पर्व ज्ञान, कला और संगीत की देवी मां सरस्वती की आराधना के लिए समर्पित है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार इस दिन मां सरस्वती की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन में समृद्धि और खुशियां बढ़ती हैं। वसंत पंचमी का पर्व माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन शिक्षा से जुड़े संस्थानों, घरों और मंदिरों में मां सरस्वती की पूजा का विशेष आयोजन किया जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं वसंत पंचमी के दिन का क्या महत्व है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को देवी सरस्वती का जन्म हुआ था। हर वर्ष इसी उपलक्ष्य में वसंत पंचमी मनाई जाती है। देवी सरस्वती को कला, विद्या और बुद्धि की देवी के रूप में पूजा जाता है। इस दिन की पूजा–अर्चना से ज्ञान, कला और संगीत का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसके साथ ही यह पर्व नई फसल और प्रकृति के बदलाव का उत्सव भी है। इस मौसम में सरसों के पीले फूल, आम के पेड़ों पर नई बौर, और गुलाबी ठंड पूरे वातावरण को आनंदमय बना देती है। यह समय न केवल मनुष्य बल्कि पशु–पक्षियों में भी नई ऊर्जा का संचार करता है। कई लोग वसंत पंचमी के दिन अपने नए काम की भी शुरुआत करते हैं। कुछ लोग इस दिन बच्चों का अक्षरारंभ करवाते हैं। यह माना जाता है कि इस दिन की गई शुरुआत बहुत शुभ होती है। इस दिन पीले रंग का खास महत्व है। पीला रंग ज्ञान और खुशी का प्रतीक है। इसलिए लोग पीले कपड़े पहनते हैं और पीले रंग के पकवान बनाते हैं। बसंत पंचमी के दिन कई जगहों पर मेलों का आयोजन भी किया जाता है। जहाँ लोग जाकर खरीदारी करने के साथ झूला भी झूलते हैं। बच्चों के लिए यह दिन बहुत खास इसलिए भी होता है क्योंकि वे नए कपड़े पहनते हैं और पतंग उड़ाते हैं। मिठाइयां खाते हैं और खूब मस्ती–मजाक करते हैं। यह त्योहार हमें प्रकृति से प्यार करना सिखाता है और कला व संगीत से जुड़ने की प्रेरणा देता है। यह हमें सबके साथ खुशियां बांटने का भी दिन है।

आर्द्रभूमि के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध द्रमुक सरकार : मुख्यमंत्री स्टालिन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को कहा कि उनकी द्रविड़ मॉडल सरकार आर्द्रभूमि के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य की समृद्ध प्राकृतिक विरासत की रक्षा के लिए बढ़–चढ़कर कदम उठाती रहेगी। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''इस विश्व आर्द्रभूमि दिवस पर मुझे रामनाथपुरम जिले में दो और स्थलों–सक्करकोट्टई और थेर्थंगल पक्षी अभयारण्यों को रामसर स्थल के रूप में नामित करने की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है, जिससे तमिलनाडु में रामसर स्थलों की कुल संख्या बढ़कर 20 हो जाएगी, जो देश में सबसे अधिक है। 2021 में तमिलनाडु आर्द्रभूमि मिशन शुरू होने के बाद 19 स्थलों को रामसर स्थल के रूप में नामित किया गया है।'' तमिलनाडु में स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक सरकार ने मई 2021 में सत्ता संभाली भी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमारी द्रविड़ मॉडल सरकार आर्द्रभूमि के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। वह अपनी समृद्ध प्राकृतिक विरासत की रक्षा के लिए बढ़–चढ़कर

भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'आप' के कार्यकर्ताओं पर किया हमला, चुनाव प्रचार रोकने की कोशिश की : संजय सिंह

राज्यसभा के सदस्य संजय सिंह ने निर्वाचन आयोग को शनिवार को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के कार्यकर्ताओं ने आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं पर हमला किया और उन्हें नयी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार करने से रोकने की कोशिश की। भाजपा ने सिंह के इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सिंह ने कहा कि यह ''शर्मनाक'' है कि ऐसा हमला दिनदहाड़े और संसद से मात्र 100 मीटर की दूरी पर हुआ। 'आप' के वरिष्ठ नेता ने दावा किया, ''यह बहुत ही दुखद है कि लोकतंत्र के मंदिर संसद भवन से ठीक 100 मीटर की दूरी पर यह झुग्गी बस्ती है। हमारे कार्यकर्ता यहां प्रचार करने आए थे। हमारे नेता और साथी कार्यकर्ता मौजूद थे, लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला किया, उनके साथ दुर्व्यवहार किया और उन्हें प्रचार करने से रोकने की कोशिश की जबकि उनके पास ऐसा करने की उचित अनुमति थी।'' निर्वाचन आयोग को लिखे पत्र में सिंह ने मांग की कि संबंधित पुलिस थाने के थाना प्रभारी (एसएचओ) को निलंबित किया जाए। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए नयी दिल्ली सीट पर 'आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल, भाजपा के प्रवेश वर्मा और कांग्रेस के

संदीप दीक्षित के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। दिल्ली की 70 विध ाानसभा सीट पर पांच फरवरी को मतदान होगा जबकि आठ फरवरी को मतगणना की जाएगी।

केजरीवाल ने वादे पूरे करने की बजाय बहाने बनाये : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अनुराग ठाकुर ने आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर अपने वादे पूरे करने के बजाय बहाने बनाने का शनिवार को आरोप लगाया। ठाकुर ने कहा कि दिल्ली में 'कमल' खिलेगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने मुस्तफाबाद और ओखला में चुनावी रैलियों को संबोधित करते आरोप लगाया कि केजरीवाल ने पिछले 11 वर्षों में लोगों को गुमराह करने के अलावा कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि जनता उन्हें पद से हटाने और भाजपा सरकार बनानेके लिए तैयार है। ठाकुर ने कहा, ''11 साल तक केजरीवाल ने सिर्फ झूठे वादे किए।'' उन्होंने कहा, ''उन्होंने (केजरीवाल) ने दावा किया था कि वह दिल्ली की हवा को साफ कर देंगे, लेकिन प्रदूषण और भी बदतर हो गया है। उन्होंने यमुना को साफ करने और उसमें डुबकी लगाने की कसम खाई थी, फिर भी नदी बहुत ज्यादा प्रदूषित बनी हुई है। उन्होंने स्वच्छ पेयजल का वादा किया था, लेकिन लोग अब भी दूषित पानी की आपूर्ति से जूझ रहे हैं। उन्होंने अच्छी सड़कों का वादा किया था, लेकिन 'आप' के शासन में दिल्ली की सड़कें बदहाल हो गई हैं।'' ठाकुर ने आरोप लगाया कि केजरीवाल द्वारा सीवेज प्रणाली में सुध ाार करने के वादे के बावजूद राजधानी में गंदगी की समस्या बनी हुई है। उन्होंने कहा, ''दिल्ली के लोगों ने मन बना लिया है...'आप' नामक यह आपदा हटेगी और 'कमल' (भाजपा का चुनाव चिह्न) खिलेगा।'' भाजपा नेता ने केजरीवाल पर दलित विरोधी होने का भी आरोप लगाया।

संपादकीय

कृषि उपज की वाजिब कीमत का सवाल

सान लंबे समय से फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी को कानूनी गारंटी की मांग उठा रहे हैं। इसे लेकर उभरा किसान आंदोलन खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। फिलहाल संयुक्त किसान मोर्चा ने शंभू सीमा से दिल्ली के लिए किसानों का पैदल कूच करने का फैसला स्थगित कर दिया है। केंद्र सरकार की ओर से बैठक का प्रस्ताव आने के बाद जगजीत सिंह डल्लेवाल ने चिकित्सीय सहायता लेना भी स्वीकार कर लिया। अपनी मांगों लेकर आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता डल्लेवाल का स्वास्थ्य दिन–प्रतिदिन गिर रहा था। इसलिए सरकार ने किसानों के साथ वार्ता करने प्रस्ताव रखा, जिसे किसानों ने खुले मन से स्वीकार कर लिया। सन 2020 में केंद्र की भाजपा सरकार ने तीन कृषि कानून लागू करने की घोषणा की थी। सरकार ने कई मंचों पर उन कृषि कानूनों के फायदे भी गिनाए थे। उसके बावजूद किसान लगातार आंदोलन पर डटे रहे और आखिरकार सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े। कृषि उत्पादन व्यापार एवं वाणिज्य कानून के अनुसार किसान मनचाही जगह पर अपनी फसल बेच सकते थे। कोई भी भी अधिकृत व्यापारी किसानों से तयशुदा कीमत पर फसल खरीद सकता था। सरकार ने कृषि उत्पादकों के इस व्यापार को राज्यों द्वारा लगाए गए मंडी कर से भी से भी मुक्त कर दिया था। इस किसान (सशक्तीकरण एवं संरक्षण) मूल्य आश्वासन एवं कृषि सेवा कानून द्वारा किसानों से अनुबंध खेती करने और अपनी फसल को स्वतंत्र रूप से बेचने का प्रावधान किया गया था। इसके अलावा, किसान की फसल मौसम या किसी अन्य कारण से नष्ट होने पर उसके नष्ट होने पर उसके नुकसान की भरपाई करने की जिम्मेदारी, करार करने वाली फर्म द्वारा ली जानी थी। मगर किसानों को ये तर्क उचित नहीं लगे, उन्हें लगा कि नए कानूनों द्वारा अनुबंध करने वाली कंपनियां उनकी जमीन हथिया लेंगी तथा सरकार एमएसपी को धीरे–धीरे दरकिनार उद्योगपतियों के के पक्ष में खड़ी जाएगी। पर वास्तव में सरकार नए कृषि कानूनों के म के माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए निवेश के लिए दरवाजे खोलना चाहती थी, ताकि किसानों की आमदनी बढ़ सके। किसान विगत कई वर्षों से मानसून की अनियमितता, कम पैदावार, अस्थिर बाजार और संसाधनों की कमी की मार झेल रहे हैं। इसी दुश्वारी चलते अनेक किसान आत्महत्या करने आए हैं। राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो के अनुसार 1955 से 2022 तक 2,06,485 किसान आत्महत्या कर चुके हैं। नाबार्ड बैंक के अनुसार देश के किसानों पर 21 लाख करोड़ रुपए का कर्जा है। इन्हीं समस्याओं के चलते किसान संगठनों ने 2020 में बड़े पै पर आंदोलन किया था। किसानों की प्रमुख मांग शुरू एमएसपी की कानूनी गारंटी की है। उनका मानना है प्रधानमंत्री फसल बीमा और उर्वरकों पर सबसिडी जारी रखने की नए साल पर घोषणा एमएसपी को दरकिनार करती है। इसके अलावा, सरकार द्वारा हाल ही में जारी किए गए श्अगले वर्षों के लिए कृषि विपणन की राष्ट्रीय रूपरेखाश के मसविदे में एमएसपी का जिक्र तक नहीं है। गौरतलब है कि सरकार हर वर्ष तेईस फसलों के लिए एमएसपी की घोषणा करती है। पर उपज का मूल्य एमएसपी में घोषित मूल्य के नीचे जाने पर उक्त फसल को एमएसपी पर खरीदने की सरकारी योजना प्रभावी साबित नहीं हो रही है। इसलिए किसान अपनी उपज को घाटे में बेचने पर मजबूर होते हैं। इस तरह एमएसपी में निहित न्यूनतम और समर्थन मूल्यों का कोई मतलब नहीं रह जाता है, यानी एमएसपी की कोई कानूनी गारंटी नहीं रहती। दरअसल, एमएसपी को महत्त्वपूर्ण कृषि उत्पादों के मूल्य को स्थिर रखने के लिए बनाया गया था। इसका आशय कृषि उत्पादों के मूल्यों को उतार–चढ़ाव से संरक्षित करना है। पर सरकार को लगता है कि अगर एमएसपी को कानूनी रूप से बाध्यकारी बना दिया जाएगा, तो उसे प्रत्येक कृषि उत्पाद को एमएसपी में घोषित मूल्य पर क्रय करना होगा, जो सरकार के लिए संभव नहीं है। कानूनी रूप से बाध्यकारी एमएसपी का मूल सिद्धांत बहुत सरल है। किसानों को अपनी उपज का उचित ध वैधानिक मूल्य प्राप्त करने का अधिकार होना चाहिए। इसलिए राज्य का यह दायित्व है कि किसानों को उनकी फसल का वैधानि मूल्य प्राप्त हो, न कि किसानों की उपज को खरीदना, इसी प्रकार किसानों का अधिकार अपनी उपज का वैधानिक मूल्य प्राप्त करना है।

बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ

पलक

बेटियां केवल परिवार का हिस्सा नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास का आधार हैं। फिर भी लंबे समय से बेटियों के साथ भेदभाव और असमानता की समस्याएं हमारे समाज में व्याप्त रहीं । इनको समाप्त करने और बेटियों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 22 जनवरी, 2015 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हरियाणा के पानीपत से श्बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओश अभियान की शुरुआत की गई। आज इस पहल को एक दशक पूरा हो गया है। भारत में घटते लिंगानुपात, कन्या भ्रूण हत्या और बालिकाओं की शिक्षा पर ध्यान न देने जैसी समस्याओं ने सरकार को इस तरह के अभियान को शुरू करने की प्रेरणा दी। इसके मुख्य उद्देश्य बाल लिंगानुपात में सुधार करना, बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देना, महिलाओं के प्रति समाज में सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करना, भ्रूण हत्या पर रोक लगाना है। एक सशक्त समाज का निर्माण करने के लिए बालिकाओं को आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाना भी इसका लक्ष्य है। विवेकशीलता आज कई जिलों में बाल लिंगानुपात में सुधार देखा गया है। हरियाणा, जो पहले बेटियों के लिए सबसे खराब स्थिति वाले राज्यों में था, वहां अब सुधार हो रहा है। लड़कियों के स्कूल नामांकन में वृद्धि हुई है। खासकर ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में जहां लड़कियों को स्कूल भेजने की प्रवृत्ति कम थी। इस अभियान के तहत समाज में बेटियों के महत्व को लेकर जागरूकता बढ़ी है। श्बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओश नारा हर गांव, शहर और राज्य तक पहुंचा है। भ्रूण लिंग जांच और कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए कड़े कानून बनाए गए हैं। बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान ने महिलाओं को सशक्त बनाकर समाज में उनकी भागीदारी को बढ़ावा दिया है। चाहे वह खेल हो, विज्ञान, प्रशासन, या राजनीति हो, हर क्षेत्र में बेटियां आगे आ रही हैं। उनकी उपस्थिति निरंतर बढ़ी है। श्बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओश अभियान ने कई सकारात्मक बदलाव किए हैं, पर इसे पूरी तरह सफल बनाने के लिए और प्रयास की आवश्यकता है। जैसे जमीनी स्तर पर बदलाव की गति धीमी है, क्योंकि कई क्षेत्रों में आज भी पुरानी रूढ़ियां और पितृसत्तात्मक सोच हावी है। अभी भी शिक्षा में असमानता देखने को मिल रही है। हालांकि बेटियों का स्कूल नामांकन बढ़ा है, लेकिन ग्रामीण इलाकों में अभी भी शिक्षा के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। समाज में मानसिकता के परिवर्तन की बहुत आवश्यकता है। इसलिए सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लड़कियों को बोझ मानने की मानसिकता को पूरी तरह खत्म करना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करना जरूरी है। बेटियों की सुरक्षा और उनके अधिकारों की गारंटी के लिए एक मजबूत प्रणाली विकसित करनी होगी। जब बेटियां सशक्त होंगी, तभी समाज और देश का वास्तविक विकास संभव होगा।

व्यापक उथल-पुथल के समय में विवेकशीलता

मोहन

बजट की वैश्विक वृहद आर्थिक पृष्ठभूमि अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और चीनी स्टार्टअप के कारण शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण पैदा हुई उथल–पुथल है। घरेलू वृहद स्थिति भी आशाजनक नहीं है। यहां तक घ्कि एक दिन पहले पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण में भी दो वर्षों के लिए लगभग 6.5 प्रतिशत की मामूली वृद्धि का अनुमान लगाया गया है, जो पिछले वर्ष प्राप्त 8.2 प्रतिशत से बहुत कम है। शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश शून्य हो गया है। घबराहट के कारण, न्यूयॉर्क बॉन्ड बाजार की ओर पूंजी का पलायन हो रहा है, जिससे डॉलर की मांग में भारी वृद्धि हो रही है। इससे रुपया गिर गया हैय और इसे बचाने की कोशिश में, रिजर्व बैंक ने बैंकिंग प्रणाली में नकदी की तीव्र कमी में योगदान दिया है। इन सबके अलावा, मुद्रास्फीति की स्थिति अभी भी आरामदायक नहीं है और बेरोजगारी उच्च बनी हुई है। सर्वेक्षण ने बताया कि कॉर्पोरेट लाभ 15 साल के उच्चतम स्तर पर है, लेकिन मजदूरी और वेतन स्थिर हैं। निश्चित रूप से यह श्रम बाजार की स्थिति के कारण है, न कि नैतिक मुद्दा। फिर रोजगार को कैसे पुनर्जीवित किया जाए, मुद्रास्फीति को कैसे नियंत्रित किया जाए, विदेशी पूंजी को कैसे आकर्षित किया जाए और रुपये को कैसे स्थिर किया जाए? ये वे सवाल थे जिनका सामना वित्त मंत्री कर रहे थे। बजट में चुनौती यह है कि विकास को प्रोत्साहन देने, गरीबों के लिए सब्सिडी और सामाजिक क्षेत्र में अधिक खर्च करने के कई और परस्पर विरोधी उद्देश्यों को संतुलित किया जाए – यह सब खातों को संतुलित करते हुए। यह कठिन रास्ता ज्यादातर समय मुश्किल होता है। ऊपर बताई गई पृष्ठभूमि के खिलाफ, यह और भी मुश्किल हो जाता है। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा चीनियों के खिलाफ कड़े आयात शुल्क का मतलब होगा कि वे भारत जैसे देशों में अपने सामान को डंप करने की कोशिश करेंगे, जिससे घरेलू निर्माताओं को खतरा होगा।बजट में 51 ट्रिलियन रुपये के व्यय और 35 ट्रिलियन रुपये के राजस्व का प्रस्ताव है। अगले साल खर्च नाममात्र जीडीपी में अपेक्षित वृद्धि से कम होगा। उस हद तक, यह यथार्थवादी है, और अपव्ययी नहीं है। लगभग 16 ट्रिलियन रुपये का घाटा उधार लेकर पूरा किया जाएगा। कोशिश है? हेडलाइन–हथियाने वाला हाइलाइट मध्यम वर्ग के लिए कर कटौती है। फिर भी, बजट राजकोषीय विवेक की आवश्यकता को नजरअंदाज नहीं करता है। जैसा कि कुछ साल पहले वादा किया गया था, जब कोविड–युग का राजकोषीय घाटा 9 प्रतिशत पर पहुंच गया था, अगले साल का घाटा जीडीपी के 4.5 प्रतिशत से नीचे चला जाएगा। यह भारत की राजकोषीय सुदृढ़ीकरण यात्रा में एक प्रमुख मील का पत्थर है, जिसे पिछले कुछ वर्षों से 7 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि और बढ़े हुए पूंजीगत व्यय को बनाए रखते हुए हासिल किया गया है। संग्रह को छोड़ने के बावजूद अगले वर्ष का 4.4 प्रतिशत राजकोषीय घाटा का लक्ष्य हासिल किया जाएगा। पिछले साल के स्तर पर पूंजीगत व्यय को स्थिर करके इसमें मदद की गई है। वेतनभोगियों के लिए जिस सीमा से नीचे कोई आयकर नहीं देना है, उसे बढ़ाकर 112.75 लाख कर दिया गया है। यह 2019 में घोषित 7 लाख रुपये की सीमा से बहुत बड़ी छलांग है। यह कटौती मुख्य रूप से मध्यम वर्ग को संबोधित करती है, जिसका उल्लेख राष्ट्रपति ने अपने भाषण में भी किया था, साथ ही प्रधानमंत्री ने भी। इतनी बड़ी छूट के साथ, लाखों लोग कर के दायरे से बाहर हो जाएंगे। यह करदाताओं के आधार को व्यापक बनाने के सिद्धांत के खिलाफ है। भारत में 80 मिलियन लोग आयकर दाखिल करते हैं, लेकिन केवल लगभग 25 मिलियन लोग शून्य से

अधिक का भुगतान करते हैं। शहरी क्षेत्रों में, विशेष रूप से उपभोग व्यय में सुस्त वृद्धि के कारण कटौती की आवश्यकता थी। मध्यम वर्ग भी उच्च मुद्रास्फीति की शिकायत कर रहा है, जो उनकी क्रय शक्ति को खा रही है। भले ही कर में कटौती की गई हो, वित्त मंत्री को उम्मीद है कि कुल संग्रह नाममात्र जीडीपी की तुलना में तेजी से बढ़ेगा, जिसे अगले साल संशोधित अनुमान के अनुसार लगभग 10.1 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। वैश्विक मंदी और उथल–पुथल और सर्वेक्षण में दिए गए निराशाजनक अनुमान को देखते हुए यह एक वीरतापूर्ण अनुमान है। भारत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था अजीब है, जिसमें हर 100 मतदाताओं के लिए केवल सात आयकरदाता हैं। लेकिन इस बार, करदाता को कुछ ध्यान और राहत मिली है। भारत अपनी राजकोषीय स्थिति की अनिश्चित प्रकृति को नजरअंदाज नहीं कर सकता। ऋण पर ब्याज ही केंद्र सरकार के सभी कर राजस्व का 49 प्रतिशत खा जाता है। ऋण–से–जीडीपी अनुपात में गिरावट आनी चाहिए। उच्च उधार आवश्यकता, जो इस वर्ष लगभग 15 लाख करोड़ रुपये होगी, ब्याज दरों पर ऊपर की ओर दबाव डालती है और निजी निवेश को बाहर कर देती है। उम्मीद है कि अगले साल राजकोषीय घाटा कम होने, मुद्रास्फीति में नरमी आने और बैंकिंग प्रणाली में नकदी बढ़ने के साथ रिजर्व बैंक अपनी अगली बैठक में ब्याज दरों में कटौती करके अपना काम कर सकता है। बजट की एक प्रमुख विशेषता नियामक सरलीकरण के लिए निरंतर प्रयास है, जिसमें व्यापार विनियमन और कानूनी जटिलताओं को कम करने की प्रतिबद्धता शामिल है। आर्थिक सर्वेक्षण में इस पर ध्यान दिया गया, जिसमें प्रभावी रूप से कहा गया कि सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उद्यमी को अपना व्यवसाय चलाने दें और इंस्पेक्टर राज और अनुपालन बोझ से दबे न रहें। सर्वेक्षण ने विश्वास–आधारित विनियमन की वकालत की, जिसकी रूपरेखा जल्द ही दिखाई देगी क्योंकि विनियमनों को देखने के लिए एक नई समिति की घोषणा की गई है। परमिट, मंजूरी और लाइसेंस की समीक्षा का उद्देश्य एक ऐसा ढांचा तैयार करना है जो एक ऐसा ढांचा तैयार करे।

नारीवाद को गलत समझा गया

राकेश

रोहिन गद्दाम द्वारा हाल के दशकों में, नारीवाद लैंगिक असमानता की दीर्घकालिक संरचनाओं को चुनौती देने वाले एक वैश्विक आंदोलन के रूप में उभरा है। हालाँकि, इसके लक्ष्यों के बारे में गलत धारणाओं ने इस डर को हवा दी है कि नारीवाद पितृसत्ता को उलटी शक्ति संरचना से बदलना चाहता है – जहाँ महिलाएँ पुरुषों पर प्रभुत्व रख सकती हैं। यह गलतफहमी नारीवाद के वास्तविक मिशन को कमजोर करने का जोखिम उठाती हैरू एक ऐसे समाज का निर्माण जो लिंग की परवाह किए बिना सभी लोगों को महत्व देता है और उन्हें सशक्त बनाता है। नारीवाद, अपने मूल में, उत्पीड़न को बनाए रखने का लक्ष्य नहीं रखता है, बल्कि इसे मिटाना चाहता है, एक समतापूर्ण समाज को बढ़ावा देना जिसमें पुरुष और महिला दोनों मिलकर एक उज्जवल भविष्य को आकार देने के लिए सहयोग करते हैं। ऐतिहासिक रूप से, पितृसत्ता ने आधी मानवता के लिए संसाधनों, भूमिकाओं और प्रभाव तक पहुँच को सीमित कर दिया है। नारीवादियों का तर्क है कि इस असंतुलन ने न केवल महिलाओं को अवसरों से वंचित किया है बल्कि समाज की सामूहिक प्रगति को भी अवरुद्ध किया है। एक सच्चा न्यायपूर्ण समाज दोनों लिंगों को सभी क्षेत्रों में निष्पक्ष और समान अवसर और जिम्मेदारियाँ प्रदान करता है – चाहे वह निगमों, सरकार, गैर सरकारी संगठनों या अंतर्राष्ट्रीय निकायों में हो। इसलिए, नारीवाद का लक्ष्य पितृसत्ता को उलटकर उसकी नकल करना नहीं है, बल्कि इसकी अन्यायपूर्ण प्रथाओं को खत्म करना और एक समावेशी सामाजिक ताना–बाना बनाना है, जिससे सभी को लाभ हो।नारीवाद पर प्लेटो उल्लेखनीय रूप से, शिक्षा और अवसर में लैंगिक समानता के शुरुआती पैरोकारों में से एक ग्रीक दार्शनिक प्लेटो थे। अपने मौलिक कार्य, द रिपब्लिक में, प्लेटो ने एक आदर्श समाज की कल्पना की, जहाँ पुरुष और महिला दोनों ही राज्य के ष्संरक्षकष के रूप में काम कर सकते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि महिलाओं को पुरुषों के समान शिक्षा और प्रशिक्षण दिया जाए, तो वे नेतृत्व, शासन और रक्षा में समान रूप से भूमिका निभाने में सक्षम हैं। दार्शनिक सिमोन डी ब्यूवोइर ने द सेकेंड सेक्स में नारीवाद को पितृसत्ता की नकल तक सीमित करने के खिलाफ चेतावनी दी क्योंकि इससे असमानता का चक्र ही चलेगा प्लेटो के विचार उनके समय के लिए क्रांतिकारी थे, क्योंकि प्राचीन ग्रीक समाज गहराई से पितृसत्तात्मक था। ष्अगर महिलाओं को पुरुषों के समान काम करना है, तो हमें उन्हें वही चीजें सिखानी चाहिए,ष उन्होंने प्रसिद्ध रूप से कहा। प्लेटो द्वारा समान शिक्षा और प्रभावशाली भूमिकाओं तक पहुँच पर जोर देने से समाज को आकार देने में साझा जिम्मेदारी की आवश्यकता की प्रारंभिक मान्यता पर प्रकाश डाला गया – नारीवाद के मूल सिद्धांतों के अनुरूप एक दृष्टिकोण। दृष्टिकोण जहाँ पुरुष और महिलाएँ सामुदायिक जीवन में समान रूप से योगदान करते हैं, इस विचार का आधार है कि न्याय की खोज के लिए लैंगिक बाधाओं को खत्म करना आवश्यक है। उनके विचार, हालाँकि दार्शनिक साम्यवाद के उनके मॉडल के भीतर स्थित थे, इस बात को रेखांकित करते थे कि मानव क्षमता लिंग से नहीं बल्कि शिक्षा और प्रशिक्षण की गुणवत्ता से परिभाषित होती है। इस विश्वास ने समानता पर बाद की बहसों के लिए मंच तैयार किया और शैक्षिक सुधार और लैंगिक समानता के बारे में चर्चाओं में प्रभावशाली बना रहा। नारीवाद की जड़ेंरू न्याय, शक्ति नहीं नारीवाद के शुरुआती अग्रदूतों ने शक्ति की गतिशीलता को उलटने की कोशिश नहीं की, बल्कि एक ऐसी प्रणाली बनाने की कोशिश की जो व्यक्तिगत क्षमता का समर्थन करती हो। मैरी वोलस्टोनक्राफ्ट जैसे विचारक, जिन्हें अक्सर नारीवाद की जननी कहा जाता है, ने महिलाओं की शिक्षा और बौद्धिक स्वतंत्रता की वकालत की। उन्होंने तर्क दिया कि महिलाओं को समाज में ज्ञान और प्रभाव तक पहुँच से वंचित करना न केवल उन पर अत्याचार करता है बल्कि पूरे समाज को कमजोर करता है। 18वीं सदी के उत्तरार्ध में वोलस्टोनक्राफ्ट के विचार तर्क, न्याय और समानता पर आधारित समाज बनाने पर केंद्रित थे – ऐसे मूल्य जो सभी को लाभ पहुँचाते हैं, न कि केवल महिलाओं को। इसी तरह, जॉन स्टुअर्ट मिल जैसे राजनीतिक दार्शनिकों ने समानता के महत्व को रेखांकित किया। मिल, जिन्होंने अपनी पत्नी हैरियट टेलर मिल के साथ द सब्जेक्शन ऑफ वीमेन का सह–लेखन किया, ने तर्क दिया कि ऐसा समाज जो किसी भी समूह की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करता है, वह अपने स्वयं के विकास को सीमित करता है। मिल की अंतर्दृष्टि हमें याद दिलाती है कि लैंगिक समानता का मतलब वर्चस्व नहीं है, बल्कि सभी नागरिकों की पूरी क्षमता को उजागर करना है। एक ऐसा समाज जो पुरुषों और महिलाओं दोनों के विविध अनुभवों और दृष्टिकोणों का लाभ उठाता है, वह जटिल समस्याओं को हल करने और सभी के लिए न्यायपूर्ण वातावरण को बढ़ावा देने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित होता है। लोकप्रिय संस्कृति से सबक हाल ही में एक सांस्कृतिक घटना जिसने बहस छेड़ दी है, वह है बार्बी फिल्म। जबकि कुछ लोगों ने लिंग गतिशीलता को संबोधित करने और पितृसत्ता की आलोचना करने के लिए फिल्म की सराहना की, इसे नारीवाद के चित्रण के लिए आलोचना का भी सामना करना पड़ा। आलोचकों का तर्क है कि फिल्म जटिल लैंगिक मुद्दों को सरल बनाती है, एक ऐसी दुनिया पेश करती है जहाँ महिला सशक्तिकरण पुरुष भूमिकाओं की कीमत पर आता है। आलोचकों का दावा है कि फिल्म में महिलाओं को पुरुषों के कम होने के बाद ही आगे बढ़ने के चित्रण पर जोर दिया गया है, जो पारस्परिक सशक्तिकरण की दृष्टि को बढ़ावा देने के बजाय ष्उलटी पितृसत्ताष की छाप बनाता है। इस तरह के चित्रण नारीवाद के बारे में रूढ़ियों को मजबूत करने का जोखिम उठाते हैं, इसे सहयोगात्मक के बजाय प्रतिकूल के रूप में चित्रित करते हैं। समानता सभी को लाभ पहुँचाती है नारीवाद का एक केंद्रीय लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि पुरुषों और महिलाओं को संसाधनों, निर्णय लेने वाली भूमिकाओं और विकास के अवसरों तक समान पहुँच हो। इससे न केवल महिलाओं को बल्कि पुरुषों को भी लाभ होता है, क्योंकि यह प्रतिबंधात्मक लिंग मानदंडों द्वारा बनाए गए दबावों को कम करता है। त्रिसत्ता के तहत, पुरुष भावनात्मक अभिव्यक्ति, माता–पिता की भूमिका और सामाजिक कलंक के बिना करियर पथ की एक विस्तृत श्रृंखला को पूरी तरह से अपनाने में सक्षम होंगे। नारीवाद प्रत्येक व्यक्ति के अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित रहने के बिना समाज में सार्थक योगदान देने के अधिकार की वकालत करता है। नेतृत्व के लिए एक समावेशी दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है। शोध से पता चलता है कि लिंग–विविधता वाली टीमें अधिक नवीन होती हैं, बेहतर निर्णय लेती हैं और संगठनात्मक लचीलापन बढ़ाती हैं। जब पुरुष और महिला दोनों अपने दृष्टिकोण सामने रखते हैं, तो समाधानों की सीमा का विस्तार होता है। जैसा कि दार्शनिक सिमोन डी ब्यूवोइर ने जोर दिया, ष्समाज हमेशा पुरुष रहा हैय राजनीतिक शक्ति हमेशा पुरुषों के हाथों में रही है। नारीवाद यह सुनिश्चित करके इस प्रतिमान को बदलना चाहता है कि मानवता का भाग्य दोनों लिंगों द्वारा सहयोगात्मक रूप से आकार दिया जाए। न्यायपूर्ण समाज एक साथ नारीवाद एक ऐसी दुनिया का समर्थन करता है जहाँ पुरुष और महिलाएँ निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में समान रूप से योगदान करते हैं, नीतियाँ विविध आवाजों द्वारा आकार दी जाती हैं और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता को पूरा करने का अवसर मिलता है। इस दृष्टिकोण को साकार करने के लिए, हमें लैंगिक शक्ति की पुरानी धारणाओं से आगे बढ़ना होगा और यह पहचानना होगा कि नारीवाद की सफलता इसकी समावेशिता में निहित है। पुरुषों और महिलाओं को लैंगिक रूढ़ियों से लेकर अन्यायपूर्ण सत्ता संरचनाओं तक, सभी को नुकसान पहुँचाने वाली सामाजिक बाधाओं को खत्म करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। जैसा कि वोलस्टोनक्राफ्ट ने तर्क दिया, और मिल ने जोर दिया, एक न्यायपूर्ण समाज का मार्ग उत्पीड़न के पैमाने को बदलने में नहीं बल्कि उन्हें पूरी तरह से तोड़ने में निहित है। लैंगिक समानता एक ऐसी दुनिया बनाने के बारे में है जिसमें मानवता की पूरी क्षमता का एहसास हो। यह एक ऐसे समाज का पोषण करने के बारे में है जो करुणा, निष्पक्षता और साझा जिम्मेदारी को महत्व देता है – ऐसे गुण जो अंततः समाज के ताने–बाने को मजबूत करते हैं और हमें अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य की ओर ले जाते हैं। दार्शनिक सिमोन डी ब्यूवोइर ने द सेकेंड सेक्स में नारीवाद को पितृसत्ता की नकल तक सीमित करने के खिलाफ चेतावनी दी क्योंकि इससे असमानता का चक्र ही चलेगा। इसके बजाय, नारीवाद को ऐसी द्विआधारी व्यवस्थाओं से मुक्त होना चाहिए, समानता और आपसी सम्मान को बढ़ावा देना चाहिए। पुरुष और महिला दोनों द्वारा सामंजस्य के साथ काम करते हुए बनाया गया भविष्य न केवल उचित है बल्कि समाज के अस्तित्व और समृद्धि के लिए आवश्यक भी है। एक–दूसरे के विकास का समर्थन करके और विविधता का जश्न मनाकर, हम एक ऐसी दुनिया का निर्माण कर सकते हैं जो मानवता के सर्वश्रेष्ठ को दर्शाती है – एक ऐसी दुनिया जहाँ न्याय, सहयोग और साझा उद्देश्य सभी के लिए बेहतर कल सुनिश्चित करते हैं। नारीवाद की यह दृष्टि वर्चस्व नहीं बल्कि साझेदारी प्रदान करती है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रगति और एकता की विरासत का निर्माण करती है।

काम बढ़िया ढंग से किया गया 2025 के केंद्रीय बजट

सोनम

केंद्रीय बजट दो कारणों से सराहनीय है। पहला कारण यह है कि इसमें सुस्त उपभोक्ता मांग को स्वीकार किया गया है, जो वृहद आर्थिक विकास को धीमा कर रही है। दूसरा कारण यह है कि निकट भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था में बदलाव होने जा रहा है। पहली समस्या के समाधान के लिए आयकर में महत्वपूर्ण कटौती की घोषणा की

गई है। दूसरी आशंका के कारण सीमा शुल्क को युक्तिसंगत बनाया गया है, जिससे भारतीय उत्पादकों के लिए अपने आवश्यक इनपुट आयात करना सरल और सस्ता हो गया है। उम्मीद है कि कर कटौती से सिकुड़ते मध्यम वर्ग की मांग बढ़ेगी, जिससे अधिक उत्पादन और रोजगार बढ़ेगा। सीमा शुल्क में बदलाव से आयात की अनुमति मिलेगी, जो बढ़ती अर्थव्यवस्था का समर्थन करेगा और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देगा। इससे भी अधिक उत्पादन और रोजगार मिलेगा। अंतरराष्ट्रीय बाजारों के प्रभावित होने की संभावना के साथ, भारत जैसे छोटे बाजारों पर अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकर्ताओं का अधिक ध्यान जाएगा। यह भारत के लिए अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने के साथ–साथ नई आपूर्ति श्रृंखलाओं में पैर जमाने का अवसर होगा, जो मौजूदा आपूर्ति श्रृंखलाओं के विघटन के बाद उभरने की संभावना है। सार्वजनिक निवेश को निजी निवेश के लिए रास्ता देना चाहिए। पिछले 10 वर्षों के दौरान नए बुनियादी ढांचे को स्थापित किया गया है। वादा किए गए विनियामक सुधार व्यापार करने की आसानी को बढ़ाएंगे। यह भी उम्मीद है कि भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति अगले कुछ दिनों में ब्याज दरों में कटौती करेगी। यदि बैंक इन कटौतियों को उधारकर्ताओं तक पहुंचाते हैं, तो निजी निवेश को बहुत जरूरी प्रोत्साहन मिल सकता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजटीय आंकड़ों को काफी अच्छी तरह से प्रबंधित किया है। आयकर और सीमा शुल्क में बड़ी कटौती के बावजूद, उन्होंने राजकोषीय घाटे के लिए बजट अनुमान को सकल घरेलू उत्पाद का 4.4ः रखा है। राजस्व और व्यय की सभी समग्र मदों में, सुश्री सीतारमण विकास दिखाने में सक्षम रही हैं, भले ही इसे मामूली माना जा सकता है। बारीक विवरणों में व्यय में कटौती हुई होगी, लेकिन कुल संख्या आरामदायक दिखती है। वित्त मंत्री ने आगामी वर्ष के लिए आर्थिक विकास की काफी उच्च दर का अनुमान लगाया है। दरों में कटौती के बावजूद, उनके सभी कर राजस्व पिछले वर्ष के संशोधित अनुमानों से अधिक होने का अनुमान है। जटिल बाहरी चुनौतियों को देखते हुए यह सच नहीं हो सकता है। दूसरा कारक जो यह तय करेगा कि आर्थिक वृद्धि उस सीमा तक प्रतिक्रिया करेगी या नहीं, जिसकी सुश्री सीतारमण ने उम्मीद की होगी, वह यह है कि निजी निवेशक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था में बदलावों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधानों को किस तरह देखते हैं। निवेश परिदृश्य को सकारात्मक होने में कुछ और समय लग सकता है, खासकर दीर्घकालिक निवेशों के लिए। वित्त मंत्री ने सही व्यावसायिक प्रोत्साहन निर्धारित करके सही काम किया है। उनके उपायों से निश्चित रूप से कुछ हद तक निजी खपत को बढ़ावा मिलेगा। इससे उन्हें अर्थव्यवस्था की गहरी समस्याओं की समीक्षा करने के लिए कुछ समय मिलेगा जो संरचनात्मक प्रकृति की हैं।

सरस्वती पूजन, बसंत पंचमी कार्यक्रम हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार । विद्या भारती विद्यालय शिवदयाल जायसवाल सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज तुलसी नगर में

बसंत पंचमी के पावन पर्व पर विद्या की अधिष्ठात्री देवी वीणा वादिनि माँ सरस्वती की विधि विधान से आराधना पंडित राजेश तिवारी ष्राघवाचार्य महाविद्यालय ने कहा बसंत पंचमी को सरस्वती पंचमी और श्री पंचमी के नाम से भी जाना जाता है बसंत पंचमी हर साल माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर मनाई जाती है। इस दिन मां सरस्वती की पूजा होती है। जिन्हें ज्ञान की देवी माना जाता है। मान्यता है कि माता का पूजन करने से पढ़ाई करने वाले बच्चों को सरस्वती मैय्या का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस मौके पर लोग गंगा में डुबकी लगाने का भी महत्व होता है। प्रधानाचार्य अवनि कुमार शुक्ल ने उपस्थित भैया ध्वहनों को संबोधित करते हुए कहा कि मां शारदे हम सभी को अपने ज्ञानरूपी प्रकाश से आलोकित कर उमंग,उल्लास सुख समृद्धि,यश कीर्ति,उत्तम स्वास्थ्य एवं आरोग्य प्रदान करें, आज के अवसर पर मैं यही कामना करता हूं। बसंत ऋतु की शुरुआत देवी आराधना का प्रतीक है और यह देवी मां सरस्वती को समर्पित है। शिक्षा,कला तथा संगीत के नवीन शुरुआत का शुभ दिन है।

अयोध्या नगरवासियों को महापौर ने किया कल्याण मंडपम समर्पित

479.64 लाख रुपये से हुआ रायबरेली मार्ग पर मिथिला कल्याण मंडपम का निर्माण

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार।नगर वासियों की बहु प्रतीक्षित साध उस वक्त पूरी हुई, जब महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने चार करोड़ 70 लाख 64 हजार रुपये की लागत से रायबरेली मार्ग पर निर्मित कल्याण मंडपम नगर वासियों को समर्पित किया। उन्होंने उपस्थित लोगों की सहमति से कल्याण मंडपम का नामकरण शमिथिलाश के नाम पर करने की घोषणा की। इसके पूर्व उन्होंने नगर आयुक्त श्री संतोष कुमार शर्मा एवं क्षेत्रीय पार्षद मनीषा यादव के साथ पूजन अर्चन तथा फीता काटकर कल्याण मंडपम का उद्घाटन किया। कल्याण मंडपम में हाल के अलावा पांच सुसज्जित कक्ष भी हैं, जो लोगों को न्यूनतम दर पर समारोह के आयोजन के लिए सुलभ होगा। इस मौके पर आयोजित समारोह में महापौर ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अयोध्या को चमकता नगर बनाने का संकल्प है। नगर निगम की टीम निरंतर प्रयास कर नगर को ऊंचाइयों की ओर ले जा रही है। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में डेढ़ साल में निर्मित कल्याण मंडपम नगर वासियों को समर्पित किया गया है, जहां न्यूनतम खर्च में जरूरतमंद आयोजन कर सकेंगे। उन्होंने नगर वासियों से अयोध्या की स्वच्छता को बनाए रखने में सहयोग की अपेक्षा की। महापौर ने बताया कि कैंट क्षेत्र में सीवरलाइन बिछाई जा रही है। अंडरग्राउंड विद्युतीकरण की योजना विचाराधीन है। उन्होंने अयोध्या को आदर्श नगर बनाने का संकल्प दोहराया। महापौर ने जल निकासी व्यवस्था को चुनौती के रूप में स्वीकार किया और कहा कि बड़ी सड़कों के लिए नगर निगम को सरकार की ओर रुख करना पड़ रहा है। यह अयोध्या का सौभाग्य है कि मुख्यमंत्री से जो भी मांग यहां के विकास के लिए की जाती है, वह पूरी होती है। इस मौके अपर नगर आयुक्त श्री अनिल सिंह, सहायक नगर आयुक्त श्री गुरु प्रसाद पांडे, पार्षद श्री अनुज दास, श्री चंदन सिंह, श्री बिजेंद्र सिंह, श्री सूर्या तिवारी, श्री अभिनव पांडेय जी, श्री जयनारायण सिंह रिंकू, श्री शिव कुमार जी, श्री रमाशंकर निषाद जी, श्री संतोष सिंह जी, पार्षद प्रतिनिधि श्री रिशु पांडेय जी, श्री निखिल श्रीवास्तव जी, श्री अनूप श्रीवास्तव जी, सौरभ सिंह सूर्यवंशी, श्री हरिश्चंद्र गुप्ता जी, राज करण जी, श्री विश्वजीत यादव जी, श्री किशन मौर्य जी, श्री हरीश श्रीवास्तव, श्री महेश श्रीवास्तव, श्री आलोक द्विवेदी जी, श्री शशि प्रताप सिंह जी, श्री सुनील दुबे जी, महंत श्रीपाल दास जी, श्री विष्णु नारायण दुबे, श्री महेश गुप्त आदि मौजूद थे।

महाकुंभ में बौद्ध समाज की बड़ी भागीदारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर से धर्म सांस्कृतिक संगठन की एक विशेष पहल के तहत हजारों बौद्ध श्रद्धालु महाकुंभ में सम्मिलित होंगे। आयोजक अरुण कुमार सिंह के अनुसार, यह विशेष बौद्ध धर्म यात्रा 4 फरवरी से 7 फरवरी तक चलेगी, जिसमें बौद्ध भिक्षु, अनुयायी और भक्तगण शामिल होंगे। दिनेश कुमार सिंह

के नेतृत्व में आयोजित इस महाकुंभ यात्रा में 27 बसों के साथ–साथ अन्य छोटे वाहनों का काफिला शामिल होगा। यात्रा का मुख्य उद्देश्य बौद्ध समाज के लोगों को संगम स्नान का अवसर प्रदान करना, उन्हें भोजन की व्यवस्था करना और अन्य संतों के साथ सामंजस्य स्थापित करना है। इस आयोजन का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि यह भारतीय संस्कृति के विभिन्न धार्मिक परंपराओं के बीच सेतु का काम करेगा। श्रद्धालु न केवल संगम स्नान और धार्मिक दर्शन करेंगे, बल्कि भारतीय दर्शन और सनातन परंपराओं को भी समझने का अवसर प्राप्त करेंगे। संगठन का मानना है कि इस तरह के आयोजन से धार्मिक सौहार्द बढ़ेगा और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अयोध्या नगर कोतवाली क्षेत्र में दलित युवती के साथ गैंगरेप शहनवां कांड के आरोपी दबोचे गए

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार।अयोध्या सहनवा क्षेत्र में दलित युवती के साथ दर्दनाक मौत एवं गैंग रेप को लेकर अयोध्या वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस अधीक्षक नगर जनपद अयोध्या एवं क्षेत्राधिकारी अयोध्या के नेतृत्व व मार्गदर्शन में घटना के अनावरण हेतु 04 टीमो का गठन किया गया । जिसमें मुखबिर की सूचना व इलेक्ट्रानिक सर्विलांस की मदद से अभियुक्त हरीराम कोरी, विजय साहू व दिग्विजय सिंह उर्फ दुर्विजय उर्फ बाबा का नाम प्रकाश में आया। जिन्हें आज दिनांक 03.02.2025 को सार्थक प्रयास कर हिरासत पुलिस में लिया गया, पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा मृतका की हत्या करना व शव को नाले में छिपा देना कबूल किया। अभियुक्तों की स्वीकारोक्ति व संकलित साक्ष्यों के आधार पर सुसंगत धाराओं में तरमीम किया जा रहा है । वैज्ञानिक साक्ष्यों का संकलन करते हुए यथाशीघ्र अभियुक्तगणों के विरुद्ध आरोप पत्र प्रेषित किया जायेगा । साथ ही फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से प्रभावी पैरवी करते हुए अभियुक्तगणों को दंडित कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा ।

अयोध्या से काशी विश्वनाथ दर्शन को जा रही टूरिस्ट बस सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराई, डेढ़ दर्जन घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बक्सा थाना क्षेत्र के नौपेडवा बाजार में अयोध्या धाम से काशी विश्वनाथ दर्शन के लिए जा रही टूरिस्ट बस सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गयी जिसमें सवार करीब डेढ़ दर्जन दर्शनार्थी घायल हो गए। रात्रि में सूचना पर पहुँची एम्बुलेंस सभी घायलों को नौपेड़वा सीएचसी अस्पताल ले गयी। जहां इलाज के दौरान पांच घायलों को बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल रिफर कर दिया। अधीक्षक डॉ. जीके सिंह ने रात्रि विश्राम व चाय पानी की व्यवस्था करवाई। छत्तीसगढ़ के थाना बसना व थाना व ब्लॉक सरईपाली व पिथौरा ब्लॉक के अलावा बड़ौदा बाजार के 52 श्रद्धालुओं से भरी टूरिस्ट बस पर सवार हो श्रद्धालु बीते 27 जनवरी को प्रयागराज स्नान के लिए निकले थे। श्रद्धालु स्नान कुम्भ में स्नान के बाद अयोध्या गए वहां रामलला के दर्शन कर शनिवार दोपहर 1 बजे काशी विश्वनाथ धाम के लिए निकले। बस में सवार घायल आशा कार्यकत्री व गांव की सरपंच सफेदबाई पटेल ने बताई कि रास्ते में भीषण जाम के बीच रात्रि करीब 12 बस घटना स्थल के पास पहुँची अधिकांश दर्शनार्थी नींद में सो रहें थे तभी तेज आवाज के साथ बस सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गई बस में चीख पुकार मच गयी। बताते है कि बस चालक को झपकी आ गयी थी। रात्रि में पीछे से आ रहें वाहन सवार लोगों ने फोन पर एम्बुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुँचे एम्बुलेंस स्वास्थ्यकर्मियों ने घायलों को नौपेड़वा अस्पताल पहुचाया जहां मौजूद अधीक्षक डॉ. जीके सिंह डॉ. रमाकांत यादव व फार्मासिस्ट लालजी वर्मा ने इलाज शुरू किया।चिकित्सक द्वारा गंभीर रूप से चोटिल भानुमती पत्नी मकरध्वज (40) कान्हा साहू पुत्र कन्दर (25)गोपकान्त पुत्र जगदीश (60) जोराबाई पत्नी सियाराम (60) एवं जोराबाई पत्नी कांताप्रसाद (57) को बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल भेज दिया गया। बस में सवार अन्य करीब दर्जनभर से अधिक मामूली रूप से घायलों का इलाज अस्पताल पर किया गया। अधीक्षक ने बताया की सभी श्रद्धालुओं की बेड पर सोने व उनके चाय नाश्ते की व्यवस्था कर दी गयी थी।सभी लोग सुरक्षित हैं।वही इस मामले में रविवार को बात करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ लक्ष्मी सिंह ने बताया कि घायलों की हालत ठीक है।सभी का इलाज किया गया है।घटना कैसे हुई इसकी जांच पड़ताल पुलिस कर रही है।

मॉडर्न ग्रुप के सभी ब्रांचों में अपार आईडी कैंप का हुआ आयोजन

अयोध्या।सोमवार को मॉडर्न ग्रुप की सभी शाखाओं में आज विशेष अपार आईडी कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें 300 से अधिक छात्रों के अपार आईडी बनाए गए। इस कैंप का उद्देश्य छात्रों को डिजिटल पहचान प्रदान करना और उन्हें अपार आईडी के लाभों से अवगत कराना था।कैंप के दौरान छात्रों और अभिभावकों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। विशेषज्ञों की टीम ने आईडी निर्माण की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाया, जिससे सभी छात्रों को जल्द ही उनकी अपार आईडी प्राप्त हो सकी।मॉडर्न ग्रुप के निदेशक रमेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा, ष्हम अपने छात्रों को आधुनिक सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह कैंप हमारे संस्थान की डिजिटल पहल का हिस्सा है, जिससे छात्रों को कई शैक्षिक और प्रशासनिक लाभ मिलेंगे।छात्रों और

अभिभावकों ने इस पहल की सराहना की और इसे उपयोगी बताया। मॉडर्न ग्रुप आगे भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहा है ताकि छात्रों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया जा सके।

पीएम आवास सर्वे विवाद में चली गोली बीडीसी समेत तीन घायल

प्रधान पक्ष ने की गोलीबारी, दो को गोली और एक को चाकू लगाय गांव में तनाव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के वसीरपुर गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वे को लेकर सुबह हुए विवाद ने रविवार शाम हिंसक रूप ले लिया। प्रधान पक्ष द्वारा की गई गोलीबारी में बीडीसी मनीष कुमार और सूरज कुमार गोली लगने से घायल हो गए, जबकि राजन नामक एक युवक चाकू लगने से घायल हुआ। घटना की जानकारी के अनुसार, बीडीसी मनीष कुमार ने गांव की दलित बस्ती में प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए सर्वे कराने नोडल अधिकारी को बुलाया था। सर्वे के बाद प्रधान परिवार के रामहित निषाद और अन्य लोगों ने मनीष के साथ विवाद शुरू कर दिया, जो बाद में हिंसक हो गया। प्रधान पक्ष द्वारा की गई गोलीबारी में मनीष के पेट में और सूरज कुमार के कंधे में गोली लगी। गोली चलते ही गांव में अफरा तफरी मच गई । घटना की सूचना मिलती ही मौके पर थाना प्रभारी जयप्रकाश यादव और चौकी प्रभारी मनोज राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। सूचना मिलते ही ऐप पुलिस अधीक्षक शहर अरविंद वर्मा भी अतिरिक्त पुलिस बल के साथ पहुंच गए घटनास्थल पर काफी देर तक निरीक्षण भी किया पुलिस ने आरोपियों के घर से कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले जाया गया है। ग्रामीणों के अनुसार आरोपियों के घर में तोड़फोड़ की भी खबरें हैं। गोली कांड की सूचना लगते पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने भी जिला चिकित्सालय पहुंचकर घायलों से घटना के संबंध में जानकारी लिया ।घटना के संबंध में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक शहर अरविंद कुमार कुमार ने हिन्दुस्थान समाचार प्रतिनिधि से बात करते हुए बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची घायल मनीष और सूरज को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर में उन्हें सुरक्षित बताए ।जहां से घायलों को बेहतर उपचार के लिए वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है तीन लोगों को गिरफ्तार कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। शेष अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है। मौके पर पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया है शांति व्यवस्था कायम है अन्य विधि कार्रवाई की जा रही है मौके से घटना में प्रयुक्त पिस्टल को भी बरामद किया गया है।

जिंदगी बनके तमासा गुजरी/और हम खुद तमाशबीन हुए ईश्वर चंद्र

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्था कोशिश का वार्षिकोत्सव 2 फरवरी शाम 5 बजे बलरामपुर सभागार टी.डी.कालेज जौनपुर में आयोजित हुआ। माँ वीणापाणी की आराधना के पश्चात प्रो.आर .एन सिंह ,प्रो.वशिष्ठ अनूप और सम्मानित मंच ने काव्य–संग्रह श्ऋत्विक–स्वर श्का लोकार्पण किया।साथ में कवि गिरीश श्रीवास्तव गिरीश के मुक्तक संग्रह ष्गिरीश के मुक्तक ष्व रामजीत मिश्र रचित कहानी– संग्रह श्प्रेम न हाट बिकायश और आशिक जौनपुरी की रचनाश जज्बये इश्क श व कहानीकार रेणुका अष्ठाना की कहानी संग्रह कालिंजर का विमोचन हुआ। तत्पश्चात आजमगढ से पधारे गीतकार डाक्टर ईश्वर चन्द्र त्रिपाठी ने शेर पढा––जिंदगी बनके तमासा गुजरीध्और हम खुद तमाशबीन हुए। शायर अहमद निसार का शेर––धूप गम का किसी के पास न होध्कुछ करें हम कोई निराश न होध्खूब पसंद किया गया।ख्यात कवि भालचंद्र त्रिपाठी ने जब पढ़ा––गम के चेहरे पर नूर हो जाएध्आईना चूर–चूर हो जाएध्सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।भोजपुरी के सशक्त हस्ताक्षर डाक्टर कमलेश राय का गीत––हम पतझर में प्रीति जगाकेध्पात–पात मधुमास लिखिलाध्वसंत की मादकता को रेखांकित कर गया तो वहीं प्रो.आर. एन.सिंह ने कहा––आज नहीं तो कल निकलेगाध्हर मुश्किल का हल निकलेगा। गिरीश कुमार गिरीश का मुक्तक–– मेरी खव्वाहिश है खव्वाब जिन्दा रहे, खिलखिलाता गुलाब जिन्दा रहे। लिखने वाला लिखा है शिद्दत सेध्पढ़िए ताकि किताब जिंदा रहेध्पाठकीय अभाव को रेखांकित किया तों वहीं अशोक मिश्र ने अपनी कविता––निर्बल की मजदूरी तंत्र छीन खाता हैध्तब कन्हैया आता हैध्द्वारा सामाजिक विषमता पर प्रहार किया। जनार्दन अष्ठाना का गीत–––भूल जाऊं मैं कैसे भलाध्याद तेरी सँवारा करूं।विरहिन के दर्द को उकेर गया।सभाजीत द्विवेदी प्रखर के देशभक्ति के छंद खूब पसंद किए गए। अध्यक्षीय वक्तव्य के साथ प्रो. वशिष्ठ अनूप का शेर––नजारा देखना है तो हमारे गांव मे देखेध्मगर के साथ कैसे आदमी पानी में रहता है। विसंगति पर वार किया। सम्मेलन में डाक्टर संजय सिंह सागर,अनिल कुमार उपाध्याय,राजेश पांडेय,नंदलाल समीर आलोक रंजन सिन्हा,सुमति श्रीवास्तव,फूलचंद भारती,दमयंती सिंह,अमृत प्रकाश,अंसार जौनपुरी. डाक्टर विमला सिंह,अनिल विश्वकर्मा,रेणुका अष्ठाना,ज्ञान प्रकाश आकुल,डाक्टर अजय सिंह ,कमलेश कुमार ने काव्य पाठ किया।सभागार में महनीय उपस्थिति के रूप में वरिष्ठ चिकित्सक डाक्टर अरुण कुमार मिश्र ,पूर्व प्राचार्य प्रो. समर बहादुर सिंह ,पूर्व प्राचार्य प्रो.माधुरी सिंह,प्रो.सरोज सिंह डाक्टर ओमप्रकाश सिंह और संजय सेठ की रही। संचालन डाक्टर सुशांत शर्मा ने किया और आभार ज्ञापन प्रो.आर एन सिंह ने किया।

प्रयागराज से स्नान करके लौट रही श्रद्धालुओं से भराई कार,खड़ी रोडवेज बस में पीछे से टकराई कार सवार छह घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। सिकरारा थाना अंतर्गत सोमवार सुबह एक रोडवेज बस तीर्थ यात्रियों को लेकर प्रयागराज से लौट रही थी की सुबह 7रू00 बजे के करीब मेंन हाईवे सीहीपुर के पास एक पेट्रोल पंप के बगल स्थित होटल के पास चाय नाश्ता के लिए रोक दिया था। तभी एक कार जो प्रयागराज कुंभ से स्नानार्थियों को लेकर लौटा रही थी की खड़ी रोडवेज बस में पीछे से टक्कर मार दिया।जिससे कार में बैठे सभी 6 यात्री घायल हो गए ।कार में सवार श्रद्धालु ,अभी, अजय, संगीता, संतुलन देवी ,इंद्रावती, सुखराज, जी निवासी आजमगढ़ घायल हो गए जिसमें इंद्रावती सुखराजी का इलाज जौनपुर सदर में चल रहा है ।बाकी उक्त चार लोगों को वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया है। थाना अध्यक्ष बक्सा ने बताया कि उक्त रोडवेज के सभी यात्री चाय नाश्ता के लिए उतरे थे तभी प्रयागराज से लौट रही कार खड़ी रोडवेज में पीछे से टक्कर मार दिया और उसमे बैठे चालक सहित 6 लोग घायल हो गए सभी घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया जिसमें चार की हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने वाराणसी के लिए रेफर कर दिया बाकी दो का इलाज सदर में किया जा रहा है पुलिस ने दोनों गाड़ियों को कब्जे में ले लिया है और घायलों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

इंडियन बैंक ने महाकुंभ–2025 के लिए 1000 मोबाइल ट्रैफिक बैरियर प्रायोजित किए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इंडियन बैंक ने सड़क सुरक्षा को बढ़ाने, यातायात को प्रबंधित करने और कुंभ में भीड़ प्रबंधन में प्रशासन की मदद करने के लिए 1000 मोबाइल ट्रैफिक बैरियर्स को प्रायोजित किया। जो कि सड़क सुरक्षा और जनसंचार प्रबंधन में सुधार के लिए महत्वपूर्ण कदम है। ये बैरियर कुम्भ के दौरान प्रशासन की सहायता करेंगे और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। यह ट्रैफिक बैरियर इंडियन बैंक के कार्यपालक निदेशक महेश कुमार बजाज द्वारा आईजी, ट्रैफिक और रोड सेफ्टी उत्तर प्रदेश सुभाष चंद्र दुबे को सौंपे गए। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक लखनऊ सुधीर कुमार गुप्ता, क्षेत्र महाप्रबंधक इलाहाबाद श्री नवीन कुमार श्रीवास्तव, अंचल प्रबंधक इलाहाबाद पीएन उपाध्याय एवं अन्य वरिष्ठ बैंक अधिकारी भी उपस्थित रहे। श्री बजाज ने उत्तर प्रदेश

ट्रैफिक विभाग के साथ इंडियन बैंक के इस पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि, यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि ष्कुंभ के श्रद्धालुओंष की यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए इंडियन बैंक एक अहम योगदान दे रहा है, जो दूर–दराज से संगम में पवित्र स्नान के लिए आते हैं। आईजी ट्रैफिक उ. प्र. श्री दुबे ने बैंक के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ट्रैफिक बैरियर उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में लगाए जाएंगे, ताकि यातायात का प्रवाह सुचारु रूप से हो सके, दुर्घटनाओं से लोगों को बचाया जा सके और महाकुंभ मेला और प्रयागराज शहर क्षेत्र में सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जा सके।

श्री कृष्ण दत्त एकेडमी(डिग्री कॉलेज) में बायोइन्फॉर्मेटिक्स और डेटा साइंस विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सफलतापूर्वक संम्पन्न हुई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री कृष्ण दत्त एकेडमी(डिग्री कॉलेज), वृन्दावन योजना, लखनऊ में ष्बायोइन्फॉर्मेटिक्स और डेटा साइंसष विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला आधुनिक समाज के क्षेत्र बायोइन्फॉर्मेटिक्स में गहरी जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को जैव विज्ञान में डेटा–आधारित अनुसंधान की व्यापक जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम के समापन में एसकेडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के निदेशक, श्री मनीष सिंह ने अपने अभिभाषण में आये हुए वक्तागण एवं शोधकर्ता को ए. आई. के माध्यम से डाटा संरक्षण में शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस कार्यशाला में प्रतिष्ठित वक्ताओं और विशेषज्ञों द्वारा ज्ञानवर्धक सत्र लिए गए, जिसमें शिक्षाविद, शोधकर्ता और छात्र शामिल हुए।

मुख्य अतिथिरू प्रो. मोहम्मद सेजरुद्दीन, अध्यक्ष, जूलॉजी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

सम्माननीय अतिथिरू डॉ. (प्रो.) सुधीर मेहरोत्रा, अध्यक्ष, बायोकेमिस्ट्री विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

मुख्य वक्तारू डॉ. रुचि यादव, सहायक प्रोफेसर, एमिटी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

इस कार्यशाला में बायोइन्फॉर्मेटिक्स के मूलभूत पहलुओं, जैविक अनुसंधान में इसके अनुप्रयोगों, जैविक डेटा विश्लेषण के लिए कंप्यूटेशनल टूल्स, और जीवन विज्ञान में डेटा विज्ञान की भूमिका को शामिल किया गया। इसके अलावा, प्रतिभागियों को हैंड्स–ऑन ट्रेनिंग सेशन्स और विशेषज्ञ चर्चाओं के माध्यम से इस क्षेत्र के नवीनतम विकासों से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम के समापन पर श्रीमती कुसुम बत्रा, सहायक निदेशिका (शैक्षणिक), ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यशाला को सफलतापूर्वक से इसके सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लोक अदालत का आयोजन 8 मार्च को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण जौनपुर ने अवगत कराया है कि उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में 08 मार्च 2025 शनिवार को इस वर्ष की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जानी है, जिसमें मोटर दुर्घटना प्रतिकर सम्बन्धी याचिकाओं का सुलह–समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाना है। लोक अदालत में अधिकतम वादों का निस्तारण किया जा सके, यह सुनिश्चित करने के लिए तथा सुलह–समझौते के वादों को चिन्हित करने के लिये विभिन्न कम्पनियों के मण्डलीय स्तर के अधिकारियों की उपस्थिति में पॉच प्री–ट्रायल बैठके आयोजित की जानी है, मण्डलीय स्तर के अधिकारियों की उपस्थिति में पॉच प्री–ट्रायल बैठके आयोजित की जानी है जो निम्नलिखित है रू– प्रथम प्री–ट्रायल बैठक 07 फरवरी 2025 को न्यू इं.ए0कं0, आईसीआईसीआई, एचडीएफसी बैंक, द्वितीय 14 फरवरी 2025 को ओरियन्टल इं0कं0, इफको टोकियो ज.इ.कं., एस.बी.आई.ज0इं0कं0, तृतीय 21 फरवरी 2025 को यूनाईटेड इं0इं0कं0, टाटा एआईजीज0इं0कं0 एवं उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम, चतुर्थ 28 फरवरी 2025 को नेशनल इं0कं0, श्रीराम, ज0इं0कं0 चोला एम.एस.ज0इं0कं0, पंचम 06 मार्च 2025 को न्यू इं0ए0कं0, आईसीआईसीआई, एचडीएफसी व अन्य के साथ प्री–ट्रायल बैठकों में सुलह–समझौता हेतु चिन्हित किये गये वादों का निस्तारण 08 मार्च 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से किया जायेगा।

विभिन्न थाना क्षेत्र में महिला पुलिसकर्मियों ने मिशन शक्ति फेस 5 के तहत महिलाओं को किया जागरूक

अयोध्या। उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना अभियान "मिशन शक्ति फेज–5 के अन्तर्गत महिलाओ वह बालिकाओं को विभिन्न थाना क्षेत्र में जागरूक किया जा रहा है। इसी के तहत इन थाना क्षेत्र में रविवार को भी महिलाओं व बालिकाओं को सशक्तिकरण हेतु विशेष अभियान चलाकर दी गई।।इस मौके पर पुलिस कर्मियों ने ग्रामध्करस्बाध्मौहल्लाधशिक्षण संस्थानों इत्यादि पर भ्रमणध्चौपाल लगाकर छात्राओंध्बालिकाओं एवं महिलाओं को उनके अधिकारों, वूमेन पावर लाइन–1090, यूपी–112, विभिन्न हेल्पलाइन

नंबरों की जानकारी दिया।उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना "मिशन शक्ति अभियान फेज–5 के अन्तर्गत नारी सुरक्षाध्नारी सम्मानध्नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद अयोध्या में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं चला कर विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अयोध्या के निर्देशन में षमिशन शक्ति 5.0ष अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों की एण्टीरोमियों टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलोंध्कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, महिला ई–हाट योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा–112 इमरजेन्सी कॉलध्पैनिक बटन–मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन–102, एम्बुलेंस सेवा–108, महिला हेल्प लाईन–181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया ।

तीन दिन पहले लापता लड़की की दर्दनाक हत्या के मामले मे सांसद ने मुख्यमंत्री से मांगा इस्तीफा

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।तीन दिन पहले से अनुसूचित जाति के परिवार की लापता लड़की का नृशंस हत्या कर 100 हाथ पैर बांधकर फेंक दिया गया। लड़की के शरीर पर कपड़े नहीं थे।दोनों आंखें फोड़ दी गई थी। सांसद अवधेश प्रसाद भी पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। परिवार से दर्दनाक हत्या के बारे

में सुनकर वह भी स्वयं विचलित हो गये । कहा, इतनी लंबी राजनीतिक जीवन में ऐसी नृशंस हत्या देखा व सुना है। पीड़ित परिवार से मिलते वक्त सांसद के स्वयं विचलित हो उठने की फोटो वायरल है। सांसद ने इसकी कड़ी निंदा करते हुए हत्या के आरोपितों को गिरफ्तारी की मांग की है। कहा कि सहनवा की दर्दनाक घटना के बाद मुख्यमंत्री आदित्य योगीनाथ को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। वह प्रदेश में कानून व्यवस्था का दावा करते रहते हैं। बोले यह नृशंस हत्या अयोध्या के उस सहनवा में हुई जो नगर निगम का हिस्सा है।

पीएम उषा के अन्तर्गत विवि में संचालित होंगी विभिन्न शैक्षिक गतिविधियां

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में शनिवार को पीएम उषा के तहत कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल की अध्यक्षता में बैठक हुई।जिसमें विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों को संचालित किए जाने हेतु समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्षों से कार्ययोजना पर मंत्रणा हुई।बैठक में कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि पीएम उषा के अन्तर्गत साफ्ट कंपोनेंट पैरामीटर के तहत परिसर में विभिन्न शैक्षिक गतिविधियां कराई जानी है। सभी विभाग कार्ययोजना बनाते हुए प्रस्ताव शीघ्र उपलब्ध कराये। बैठक में शैक्षिक गतिविधियों के अन्तर्गत सेमिनार और वर्कशाप व अन्य गतिविधियों को कराये जाने पर मंत्रणा की गई। कुलपति ने समस्त को निर्देशित किया कि फरवरी व मार्च में जो भी शैक्षिक गतिविधियां संचालित कराई जानी है उसका सम्पूर्ण प्रस्ताव शीघ्र ही साफ्ट कंपोनेंट के प्रभारी प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ल को उपलब्ध कराये जिससे पत्रावली को आगे बढ़ाया जा सके। इसके अलावा कुलपति ने सभी को निर्देशित किया कि समस्त शैक्षिक गतिविधियां जेम माध्यम से होनी है। इसलिए सभी प्रस्तावों को बढ़ाने में शीघ्रता लाये।इस संबंध में पहले भी समस्त को सूचित किया जा चुका है। इस बैठक में वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, कुलसचिव उमानाथ, प्रो0 अजय प्रताप सिंह, प्रो0 आशुतोष सिन्हा, प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह, प्रो0 एसएस मिश्र, प्रो0 नीलम पाठक, प्रो0 गंगाराम डॉ0 विनोद चौधरी, डॉ0 गीतिका श्रीवास्तव सहित अन्य उपस्थित रहे।

नगर विधायक सदर ने राज्य मंत्री के साथ मृतक दलित बिटिया के परिवार को प्रदान की सहायता धनराशि

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। नगर विधायक अयोध्या वेद प्रकाश गुप्ता आज श्रम एवं सेवायोजन राज्य मंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी जी व विधायक रुदौली रामचंद्र यादव के साथ मृतक दलित बिटिया के घर सहनवां,अयोध्या पहुंचकर परिवार को रुपए 412500/– की अनुकंपा धनराशि प्राप्त करा उनके दुःख पर मरहम लगाने का प्रयास किया।इसके अलावा 50000/– की धनराशि पुलिस विभाग के द्वारा व 50000/– की धनराशि प्रशासन के द्वारा भी प्रदान कराई गई।उन्होंने बताया कि इस धनराशि के अलावा अभियुक्तों को सजा होने के उपरांत भी रुपए चार लाख बारह हजार पांच सौ की धनराशि मृतक दलित बिटिया के परिवार को प्रदान की जाएगी और उनको हर स्तर पर सरकारी सुविधाओं से भी लाभान्वित करने का प्रयास किया जाएगा।उन्होंने परिवार को अवगत कराया की अयोध्या पुलिस ने इस घटना का अनावरण करते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी कर ली है और उन सभी को सख्त से सख्त सजा मिले जो कि समाज के लिए नजीर हो इसके लिए पुलिस प्रशासन प्रयासरत है।राज्य मंत्री मनोहर लाल कोरी ने कहा कि सरकार पीड़ित परिवार के साथ सदैव खड़ी है अत्याचार करने वाले आज सलाखों के पीछे हैं।इन सब के बीच विपक्ष का रवैया किसी की मृत्यु पर अवसर ढूंढने वाला रहा है जो की निंदनीय है। विधायक रुदौली रामचंद्र यादव ने कहा कि हमारी सरकार में कोई भी अपराधी न कभी बक्शा गया है ना कभी बक्शा जायेगा। उन्होंने अयोध्या पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि इस ब्लाइंड केस का जितनी तत्परता से पुलिस के द्वारा अनावरण किया गया है वह इस कार्य के लिए साधुवाद की प्राप्त है।इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता हरिभजन गौड़,अमल गुप्ता,एसडीएम सदर समेत तमाम आलाअधिकारी व नेताद्वय मौजूद रहे।

कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के सहनवा दलित युवती हत्याकांड मे शामिल आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अयोध्या। कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के सहनवां गांव में दलित बेटी के साथ हुए रेप कांड में शामिल तीनों आरोपियों को पुलिस ने 36 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर राजनैतिक गलियारे मे मचे हलचल का पटाक्षेप कर दिया।इस हत्या का खुलासा एसएसपी राज करण नैय्यर ने सोमवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में किया।उन्होंने इस हत्याकांड में गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान इसी गांव के ही रहने हरीराम कोरी पुत्र झूरे निवासी सहनवा को अयोध्या,विजय साहू पुत्र गुड्डू साहू निवासी सहनवा थाना कोतवाली अयोध्या व दिग्विजय सिंह उर्फ दुर्विजय उर्फ बाबा पुत्र राम राज सिंह सहनवा थाना कोतवाली अयोध्या के रूप में बताया। उन्होंने बताया कि जिन तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है वे सभी शराब के नशे में थे और युवती की हत्या गांव के ही एक स्कूल में करके शव को नाले के पास फेंक दिया था।उन्होंने बताया कि पुलिस तीनों आरोपियों को रिमांड पर लेगी।इस ब्लाइंड केस को खोलने मे चार टीम ने मामले का खुलासा किया है।इस हत्याकांड का खुलासा

करने मे प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार शर्मा थाना कोतवाली अयोध्या,अमरेश कुमार त्रिपाठी एसओजी / स्वाट / सर्विलांस प्रभारी,रतन शर्मा एंटी थेप्ट टीम प्रभारी,जगन्नाथमणि त्रिपाठी चौकी प्रभारी दर्शननगर थाना कोतवाली अयोध्या सहित अन्य पुलिस कर्मियों की भूमिका रही।बताते चले कि 22 साल की युवती का शनिवार को शव बरामद एक नाले के समीप से बरामद हुआ था।जिसके हाथ–पैर बांधे हुए थे।स्थानीय लोगो की माने तो युवती की बेरहमी से हत्या कर उसकी आंखें निकाल ली गई थीं और शरीर पर कई जख्म दिए गए थे। पुलिस ने युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या किए जाने का अंदेशा जताया था।उसके बाद इस पर सियासत भी शुरू हुई थी।मामले को लेकर सपा सांसद अवधेश प्रसाद फूट–फूट कर रोए भी थे।वही बीजेपी के कई नेता और राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रियंका मौर्या भी पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी और जल्द ही न्याय दिलाने की बात कही थी।फिलहाल 36 घंटे के अंदर पुलिस ने पूरे मामले का खुलासा कर दिया है।

चलो गांव की ओर कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय लोकदल की लगी चौपाल

(डॉक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।सोहावल राष्ट्रीय लोकदल आप के द्वार चलो गांव की ओर कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय लोकदल ने बीकापुर विधानसभा के सोहावल ब्लाक ग्राम पंचायत पिलखावां मजरे चिरैधा गांव मे युवा रालोद जिलाध्यक्ष अनिल वर्मा के द्वार पर चौपाल का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय लोकदल अवध क्षेत्र के अध्यक्ष चौधरी राम सिंह उपस्थित रहे। बड़ी संख्या मे आस पास के गांव के ग्रामीण चौपाल मे शामिल हुए ।चौपाल की अध्यक्षता पूर्व प्रधान कलाफर पुर डाक्टर उत्तम प्रसाद वर्मा एवं संचालन जिला महासचिव संगठन राम शंकर वर्मा ने किया

इस मौके पर रालोद नेता चौधरी रामसिंह पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल ही इकलौती पार्टी है जो गांव, गरीब, किसानों के साथ सभी जाति, धर्म के लोगों को साथ लेकर चलती है और सभी के लिए काम करती है हमारे नेता केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह शिक्षित, ईमानदार ,युवा, संघर्षील नेता है इसलिए हम सभी को मिलकर रालोद को मजबूत करना होगा।उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, रालोद संस्थापक पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजित सिंह ,और राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, केन्द्रीय मंत्री कौशल विकास और उद्यमशीलता, शिक्षा राज्यमंत्री चौधरी जयंत सिंह राजनीतिक मे तीन पीढियां देश,प्रदेश मे प्रमुख पदों पर रहने के बाद भी आज भ्रष्टाचार के ममाले मे कोई उंगली नहीं उठा सकता है जब भी मौका मिला देश प्रदेश के विकास के साथ गांव, गरीब ,किसानों के लिए काम किया है। किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह व्यक्ति नही एक विचार धारा थे उन्होंने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किये बिना देश का विकास नही हो सकता है उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर की थी। वह कहते थे कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश की तरक्की नहीं हो सकती। देश की समृद्धि का रास्ता किसानों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। चौधरी अजित सिंह को जब भी मौका मिला उन्होंने भी गांव गरीबों के लिए किसानों के लिए मजदूरों के लिए काम किया मंत्री रहते हुए जनपद फैजाबाद में भी मसौदा ब्लॉक के पास भी केंद्र बनाया और नागरिक उड़े रहते हुए फैजाबाद एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट करने का काम किया चौपाल में गन्ना मूल्य घ400 घोषित करने और शाहनवाजीजैसी समाज की बिटिया के साथ हुए जघन्य अपराध पर उनको त्वरित न्याय मिले एवं अपराधियों को राष्ट्रीय लोक दल बिटिया के परिवार से के साथ हर संभव मदद करने के लिए खड़ा है चौपाल को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय लोकतंत्र जिला अध्यक्ष जिला पंचायत सदस्य बलराम यादव ने कहा कि राहुल जाति धर्म की बात नहीं करती है वह सभी समाज को साथ लेकर चलती है हमारे नेता केंद्रीय मंत्री चौधरी चरण सिंह सड़क से लेकर सदन तक किसानों की आवाज बुलंद करते रहे ।शिवकुमार वर्मा बंधुआ पुर, विनोद वर्मा, करण निषाद, विनोद वर्मा डॉ.रामजी कौशल, अरुण कस्यप, सुरजीत रावत मुबारक गंज ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया।चौपाल में प्रमुख रूप से अवध क्षेत्र सचिव नेतराम वर्मा ,युवा नेता गंगाराम वर्मा प्रोफेशनल मंच जिला अध्यक्ष आशीष सिंह रावत, राम जी कौशल, राकेश रावत ने संबोधित किया ।प्रदेश सचिव सुरजीत वर्मा, जिला सचिव अजीत वर्मा, राम जी वर्मा, राम भवन वर्मा, रमेश चंद्र वर्मा, विक्रम निषाद ,रामचंद्र वर्मा, राधेश्याम वर्मा, श्री चंद वर्मा, विजय पटेल ,वीरेंद्र वर्मा ,घनश्याम कन्नौजिया,, राम केदार वर्मा, पंकज वर्मा , श्री भगवान पांडे, मुकेश वर्मा, काली दीन मौर्य आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी के आदेश पर मिट्टी में दबवाई गई थाई मांगुर लम्भुआ तहसील के अनंतपुर तालाब में पाली गई थीं प्रतिबंधित मछलियां

ब्यूरो सुलतानपुर

सुलतानपुर। जिले में प्रतिबंधित थाई मांगुर मछलियों का पालन और विक्रय करने वाले सावधान हो जाएं जिलाधिकारी के आदेश पर मत्स्य विभाग सख्त हो गया है शिकायत मिलने पर कार्यवाही हो सकती है शनिवार को लम्भुआ तहसील क्षेत्र के अनंतपुर गांव के तालाब में पाली गई थाई मांगुर मछलियों को मिट्टी में दबाकर नष्ट करवा दिया गया बता दे कि शनिवार को जिलाधिकारी कुमार हर्ष लम्भुआ तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जन शिकायतें सुन रहे थे एक फरियादी ने अनंतपुर गॉव के एक तालाब में थाई मांगुर का पालन किए जाने की शिकायत की मामले को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने मत्स्य विभाग के अधिकारी को तत्काल कार्यवाही का निर्देश दिया उसके मत्स्य विभाग की टीम जाल लेकर तालाब पर पहुंच गई तालाब से मछलियों को निकलवा कर पास में गड्ढा खोदवा कर उसी में दबवाकर नष्ट करवा दिया अधिकारी मत्स्य पालन विकास अभिकरण सुलतानपुर रमाकांत पाण्डेय ने मछलियों को नष्ट कराए जाने की पुष्टि की है उन्होंने कहा कि तालाब ग्राम सभा का है उसका पट्टा भी नहीं हुआ है ऐसे में यह नहीं पता चल सका कि तालाब में मछलियां कौन डाला था उन्होंने कहा कि जिला अधिकारी के आदेश पर कार्यवाही की गई है अधिकारी मत्स्य पालन विकास अभिकरण सुलतानपुर रमाकांत पाण्डेय ने कहा कि जल्द ही अभियान चलाया जाएगा छोटी बड़ी बाजारों में भी चेकिंग की जाएगी प्रतिबंधित मछलियों का पालन और विक्री करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

एसकेडी एकेडमी ने बसंत पंचमी और सरस्वती पूजा को बहुत ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ के प्रमुख शैक्षिक संस्थानों में से एक एसकेडी एकेडमी ने 3 फरवरी 2025 को बसंत पंचमी और सरस्वती पूजा के पावन अवसर को बड़े उत्साह साथ मनाया। इस आयोजन में एसकेडी ग्रुप के निदेशक– श्री मनीष सिंह, उप निदेशिका– श्रीमती निशा सिंह, सहायक निदेशिका (शैक्षणिक)– श्रीमती कुसुम बत्रा एवं श्री डी.के. सिंह के साथ–साथ विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, छात्र– छात्राएं एवं अभिभावक भी उपस्थित रहे। जिन्होंने ज्ञान, बुद्धि और सफलता का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पूजा अर्चना की। अपने संबोधन में एसकेडी ग्रुप के निदेशक– श्री मनीष सिंह ने इस दिन के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा, ध्इस पावन अवसर पर, हम केवल वसंत ऋतु के आगमन का जश्न नहीं मनाते, बल्कि हम ज्ञान की प्राप्ति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी नवीनीकरण करते हैं। सरस्वती पूजा हमें यह याद दिलाती है कि शिक्षा हमारे उज्जवल

भविष्य के निर्माण में कितनी महत्वपूर्ण है। समारोह में विद्यालय के शिक्षकों और स्टाफ द्वारा एक धार्मिक पूजा का आयोजन किया गया, जिसके बाद देवी सरस्वती को पीले फूलों, फल और मिठाई अर्पित की गई। छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में भाग लिया, जिसमें गाने और नृत्य शामिल थे, और उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए ज्ञान के आशीर्वाद के लिए आभार व्यक्त किया। विद्यालय में इस दिन का माहौल खुशियों से भरपूर था, क्योंकि छात्र पीले वस्त्रों में सजे हुए थे और उत्सव के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग ले रहे थे। अभिभावकों को भी इस उत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया, जिससे विद्यालय और समाज के बीच के रिश्ते को और भी मजबूत किया गया। एसकेडी एकेडमी अपनी समग्र शिक्षा की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को उनके सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है, साथ ही यह शैक्षिक विकास और रचनात्मकता के वातावरण को बढ़ावा देता है।

नगरवासियों को महापौर ने किया कल्याण मंडपम समर्पित

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। नगर वासियों की बहु प्रतीक्षित साध उस वक्त पूरी हुई, जब महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने चार करोड़ 70 लाख 64 हजार रुपये की लागत से रायबरेली मार्ग पर निर्मित कल्याण मंडपम नगर वासियों को समर्पित किया। उन्होंने उपस्थित लोगों की सहमति से कल्याण मंडपम का नामकरण शमिथिलाश के नाम पर करने की घोषणा की। इसके पूर्व उन्होंने नगर आयुक्त श्री संतोष कुमार शर्मा एवं क्षेत्रीय पार्षद मनीषा यादव के साथ पूजन अर्चन तथा फीता काटकर कल्याण मंडपम का उद्घाटन किया। कल्याण मंडपम में हाल के अलावा पांच सुसज्जित कक्ष भी हैं, जो लोगों को न्यूनतम दर पर समारोह के आयोजन के लिए सुलभ होगा।इस मौके पर आयोजित समारोह में महापौर ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अयोध्या को चमकता नगर बनाने का संकल्प है। नगर निगम की टीम निरंतर प्रयास कर नगर को ऊंचाइयों की ओर ले जा रही है। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में डेढ़ साल में निर्मित कल्याण मंडपम नगर वासियों को समर्पित किया गया है, जहां न्यूनतम

खर्च में जरूरतमंद आयोजन कर सकेंगे। उन्होंने नगर वासियों से अयोध्या की स्वच्छता को बनाए रखने में सहयोग की अपेक्षा की।महापौर ने बताया कि कैंट क्षेत्र में सीवरलाइन बिछाई जा रही है। अंडरग्राउंड विद्युतीकरण की योजना विचाराधीन है।उन्होंने अयोध्या को आदर्श नगर बनाने का संकल्प दोहराया। महापौर ने जल निकासी व्यवस्था को चुनौती के रूप में स्वीकार किया और कहा कि बड़ी सड़कों के लिए नगर निगम को सरकार की ओर रुख करना पड़ रहा है। यह अयोध्या का सौभाग्य है कि मुख्यमंत्री से जो भी मांग यहां के विकास के लिए की जाती है, वह पूरी होती है।इस मौके पर पार्षद अनुज दास, चंदन सिंह, बिजेंद्र सिंह, सूर्या तिवारी, अनुभव सिंह, जयनारायण सिंह रिंकू,शिवकुमार, रमाशंकर निषाद, संतोष सिंह, पार्षद प्रतिनिधि रिशु पांडेय, निखिल श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, अभिनव सिंह का स्वागत किया गया।समारोह में अपर नगर आयुक्त अनिल सिंह, वागीश शुक्ल, शशिभूषण राय, सहायक नगर आयुक्त गुरु प्रसाद पांडे, दिनेश शुक्ल, हरीश श्रीवास्तव, महेश श्रीवास्तव, रमाशंकर निषाद, विष्णु नारायण दुबे, महेश गुप्त आदि मौजूद थे।

बसंतोत्सव (नई उमंग,नई शुरुआत और नए अवसर)

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बसंत के शुभ अवसर पर सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल, गोयल कैंपस में सरस्वती पूजा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा अर्चना वैदिक मंत्रोच्चार से की गई। विद्यालय के चौयरमैन श्री महेश अग्रवाल,प्रधानाचार्या डॉ. श्रीमती रीना पाठक ने उपप्रधानाचार्या श्रीमती शिल्पी जैन सहित समस्त विद्यालय परिवार के साथ मां सरस्वती का वंदन किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि जयपुरिया कॉरपोरेट ऑफिस की ए .जी.एम श्रीमती तूलिका चरण ने अपनी

उपस्थिति दर्ज कराई।प्रीनर्सरी से कक्षा ग्यारह तक के छात्रों के लिए ष्जोश जयपुरिया स्कॉलरशिप हंट ष्,आर्ट कंपीटीशन और यूरेका एक्सपो का आयोजन किया गया। सामाजिक विज्ञान और विज्ञान विषय पर आधारित यूरेका एक्सपो में छात्रों ने प्रोजेक्ट बनाए और लोगों को विषय से संबंधित जानकारी भी प्रदान की। चेयरमैन श्री महेश अग्रवाल और मुख्य अतिथि श्रीमती तूलिका चरण ने छात्रों के प्रयासों की सराहना की । आपकी फरमाइश , चटपटे लजीज व्यंजन के स्टॉल लोगों के आकर्षण के मुख्य केंद्र रहे।जोश स्कॉलरशिप में उत्तीर्ण हुए छात्रों को विशेष सम्मान से नवाजा गया। शामिल हुए अतिथियों, अभिभावकों एवम छात्रों ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया । अन्त में सभी उपस्थित जनों का आभार प्रकट करते हुए प्रधानाचार्या डॉ. श्रीमती रीना पाठक ने आयोजन के समापन की घोषणा की।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।